RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच
संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल
साझा करें अपने मित्रों से
सांध्य दैनिक
दुर्ग-रायपुर-बस्तर संभाग
वर्ष- 13, अंक - 137 | श्रीकंचनपथ ONLINE | visit us http://www.shreekanchanpath.com | भिलाई, शुक्रवार 4 मार्च 2022 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

खारकीव-सूमी से भारतीय छात्रों को निकालने के लिए 130 रूसी बसें तैयार

मास्को (एजेंसी)। यूक्रेन में फंसे भारतीय छात्रों को बाहर निकालने के लिए रूस भी आगे आया है। रूस की ओर से 130 बसें तैयार की गई हैं। इन बसों से भारतीय छात्रों को यूक्रेन सीमा पार करवाई जाएगी। उन्हें रूस के बेलगोरोड में लाया जाएगा। रूसी राष्ट्रीय रक्षा नियंत्रण केंद्र के प्रमुख कर्नल जनरल मिखाइल मिजिंट्सेव ने बताया कि, 130 बसों के माध्यम से भारतीय व अन्य विदेशी छात्रों को खारकीव व सूमी के निकालकर रूस लाया जाएगा।

बाल-बाल बची दो ट्रेनें!: 'कवच' ने ट्रेन को 380 मीटर पहले रोका, रेलमंत्री वैष्णव खुद थे सवार, देखें वीडियो

सिकंदराबाद (एजेंसी)। भारतीय रेलवे के सुरक्षा इतिहास में आज का दिन नई इबारत लिखने वाला साबित हुआ। शुक्रवार को दो ट्रेनों को चंद मीटर के फासले से एक दूसरे से भिड़ने से रोक दिया। दरअसल यह रेलवे की नई स्वदेशी सुरक्षा तकनीक 'कवच' के दम पर हुआ। इस इतिहास के साक्षी खुद रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव बने। कवच ने सामने से आ रही ट्रेन की भिड़ंत से पूर्व रेल मंत्री की ट्रेन को 380 मीटर पहले ही रोक दिया। तेलंगाना के सिकंदराबाद में ट्रेनों के बीच कवच का परीक्षण किया गया। एक ट्रेन के इंजन पर रेल मंत्री वैष्णव सवार थे तो सामने से आ रही दूसरी ट्रेन में रेलवे बोर्ड के चेयरमैन व अन्य बड़े अधिकारी। यह परीक्षण सनतनगर-शंकरपल्ली खंड पर किया गया। रेल मंत्री ने इस परीक्षण का एक मिनट का वीडियो साझा किया है। इसमें इंजन के कैबिन में रेल मंत्री वैष्णव व अन्य अधिकारी दिखाई दे रहे हैं। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने ट्वीट किया, 'रियर-एंड टक्कर परीक्षण सफल रहा है। कवच ने अन्य लोको से 380 मीटर पहले लोको को स्वचालित रूप से रोक दिया'। कवच ऐसी स्वदेशी तकनीक है, जिसके इस्तेमाल से दो ट्रेनों की टक्कर रोकी जा सकेगी। यह दुनिया की सबसे सस्ती रेल सुरक्षा तकनीक है। 'जीरो ट्रेन एक्सीडेंट' के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए इस कवच का विकास किया गया है।

धमधा नाका फ्लाईओवर पर दर्दनाक हादसा

टक्कर ऐसी कि पुल से नीचे गिरे ट्रक व बाइक, चार की मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। शुक्रवार की देर रात दुर्ग के धमधा नाका स्थित राजीव गांधी सेतु से एक ट्रक से तू के नीचे गिर गया जिसमें 4 लोगों की मृत्यु हो गई गौरतलब है कि लगातार जिला प्रशासन को सड़क और फुटपाथ का अंतर खत्म होने की शिकायत की जाती रही परंतु जिला प्रशासन की लापरवाही पूर्ण कार्यशैली के चलते फिर मौत का तांडव देखने को मिला, राजीव गांधी सेतु इंसानी खून से लाल हो चुका है मामला कुछ इस तरह से है शुक्रवार की रात 12:30 बजे जब तीन बाइक सवार धमधा मार्ग की ओर फ्लाईओवर से जा रहे थे और दूसरी ओर से धमधा से दुर्ग की ओर आ रहे ट्रक से बाइक सवारों की भिड़ंत हो गई भिड़ंत इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार और ट्रक दोनों ही फ्लाईओवर से नीचे गिर गए और नीचे खड़े वाहन को भी अपनी चपेट में ले लिया जिसमे 4 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई है। हादसे में बाइक सवार तीनों युवकों के शवों के चीथड़े उड़ गए थे। पुलिस ने सभी शवों को जिला अस्पताल के मरच्यूरी में रखवाया है।

मोहन नगर थाना प्रभारी जितेन्द्र वर्मा ने बताया कि हादसे के बाद पुलिस ने लगभग 4 घंटे तक रेस्क्यू किया। हादसे में मृत ट्रक चालक की पहचान बालोद सिकोसा निवासी महेश बारले के रूप में हुई। वहीं इस हादसे में लुचकी पारा निवासी तौसिफ खान (26), तकियापारा निवासी साहिल खान (23) तथा चुलकी पारा निवासी मो. अमन (26) की मौत हुई। तीनों युवक बाइक पर थे और दुर्ग की ओर जा रहे थे।

गुरुवार सुबह भी हुए थे दो हादसे

बता दें गुरुवार को पूरा दिन दुर्ग जिले के लिए हादसों वाला रहा। गुरुवार तड़के 2.30 बजे दुर्ग पद्मनाभपुर फ्लाई ओवर पर हुई। इसमें एक तेज रफ्तार स्कार्पियों ने सामने से आ रहे बाइक सवार दो लोगों को टक्कर मार दी। हादसे में लोकेश डहरे बाइक के साथ नीचे गिर गया जिससे उसकी मौत हो गई। इसके बाद सुबह 8 बजे खुर्सीपार के डबरापारा चौक पर डंपर ने पुरैना निवासी अश्विनी मिश्रा (30) और उसकी मां शशि मिश्रा (50) को टक्कर मार दी। दोनों मां बेटे स्कूटी से जा रहे थे। ट्रासपोर्ट नगर रोड की ओर मुड़ते समय ट्रक ने उन्हें चपेट में ले लिया। जिसमें दोनों की मौके पर ही मौत हो गई।

ट्रक में ही फंसा रहा चालक का शव

थाना प्रभारी जितेन्द्र वर्मा ने बताया कि पुल से नीचे गिरने के कारण चालक का शव ट्रक में ही फंसा रहा। रात ज्यादा होने के कारण पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी। सुबह चार बजे तक प्रयास किया गया तब जाकर ट्रक चालक महेश बारले का शव निकाला जा सका। मृतकों के परिजनों को सूचना दे दी गई है। फिलहाल हादसे का कारण पता नही चला है। पुलिस जांच कर रही है।

फिलहाल इसे यातायात विभाग की लापरवाही कहें या पीडब्ल्यूडी विभाग की लापरवाही, जिसके कारण आए दिन पुल पर दुर्घटना देखने को मिल रही है दरअसल पुल इतना सकरा है कि दोनों तरफ से आने जाने वाले लोगों को आवागमन में काफी तकलीफ होती है और हमेशा ही पुल पर जाम की स्थिति बन जाती है जिसका नतीजा दुर्घटना के तौर पर आए दिन देखने को मिल रहा है

खामियों से भरा हुआ यह सेतु लगातार दुर्घटनाओं को अंजाम दे रहा है। जिसकी पूरी जवाबदारी लोक निर्माण विभाग दुर्ग एवं जिला प्रशासन, यातायात विभाग की है। प्रशासन इसे गंभीरता से लें अन्यथा दूरगामी नतीजे बहुत दुखदाई होंगे, जहां अंडर ब्रिज निर्माण की गति धीमी है वही खतरनाक ओवर ब्रिज से लोगों को दोहरी खतरनाक स्थितियों से सामना करने मजबूर होना पड़ रहा है। जिसका नतीजा यह है कि शुक्रवार को पूल पर 1 और दुर्घटना हो गई जिसमे ट्रक पूल के नीचे जा गिरा और ट्रक में सवार 4 लोगों की मौत हो गई।

ये दुर्भाग्यपूर्ण है, पिछली गलतियों से नहीं लिया सबक

फंसे भारतीयों को लेकर सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूस-यूक्रेन जंग के बीच फंसे भारतीयों को लेकर शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने सख्त टिप्पणी की। कोर्ट ने कहा, 'ये दुर्भाग्यूपर्ण है। हमने पिछली गलतियों से सबक नहीं लिया, जंग का इंतजार किया। विद्यार्थियों को लेकर चिंता है।'

सुप्रीम कोर्ट ने अटॉर्नी जनरल केके वेणुगोपाल को यूक्रेन में फंसे भारतीयों को निकालने के बारे में केंद्र सरकार से दिशा-निर्देश प्राप्त करने के लिए कहा। कोर्ट ने कहा कि वह अभिभावकों के लिए हेल्पलाइन आदि की संभावना पर भी केंद्र से बात करें।

बेंगलुरु की फातिमा आहना व अन्य को लाएं

सुनवाई के दौरान प्रधान न्यायाधीश एनवी रमण की अध्यक्षता वाली पीठ ने वेणुगोपाल से कहा कि वह बेंगलुरु की रहने वाली फातिमा आहना और अन्य मेडिकल विद्यार्थियों की वापसी सुनिश्चित करें, जो कि रोमानिया की सीमा पर फंसे हैं।

याचिकाकर्ता विद्यार्थी आज स्वदेश लौटेगा, सिंधिया ने की बात

इस पर वेणुगोपाल ने सुप्रीम कोर्ट से कहा कि केंद्रीय विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने यूक्रेन सीमा पर फंसे याचिकाकर्ता विद्यार्थी से संपर्क किया है। यह विद्यार्थी अब रोमानिया सीमा पार कर चुका है। उसे विशेष विमान से आज रात अन्य भारतीयों के साथ स्वदेश लाया जाएगा।

17 हजार लोगों को वापस लाने की तारीफ

शीर्ष कोर्ट को सरकार की ओर से बताया गया कि यूक्रेन के जंग वाले इलाकों से अब तक 17 हजार भारतीयों को लाया जा चुका है।सुनवाई कर रही पीठ में जस्टिस एएस बोपन्ना व जस्टिस हिमा कोहली भी शामिल हैं। पीठ ने कहा कि हम केंद्र सरकार के प्रयासों की तारीफ करते हैं, हम इस बारे में कुछ नहीं कह रहे हैं, लेकिन हमें चिंता है। सुप्रीम कोर्ट यूक्रेन से भारतीयों की निकासी को लेकर दो याचिकाओं की सुनवाई कर रही है।

मुख्तार अंसारी के बेटे अब्बास ने अखिलेश यादव का नाम लेकर अफसरों को दी धमकी, एफआईआर दर्ज

मऊ (एजेंसी)। जेल में बंद माफिया मुख्तार अंसारी के बेटे और सपा गठबंधन के प्रत्याशी अब्बास अंसारी ने सरकार बनने पर अफसरों से हिसाब-किताब की धमकी दी है। सुभासपा के टिकट पर चुनाव लड़ रहे अब्बास का वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें उसने अखिलेश यादव का नाम लेकर कहा है कि ट्रांसफर से पहले अधिकारियों से हिसाब-किताब होगा। वीडियो वायरल होने के बाद एडीजी लॉ प्रशांत कुमार की ओर से कार्रवाई का आदेश दिया है। अब्बास के खिलाफ मऊ पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है। वीडियो में अब्बास कहता है, समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्ययक्ष अखिलेश यादव से कहकर आया हूं कि छह महीने तक किसी की ट्रांसफर-पोस्टिंग नहीं होगी भइया। जो यहां है, यहीं रहेगा, पहले हिसाब किताब होगा। उसके बाद उनके जाने के सर्टिफिकेट पर मुहर लगाया जाएगा। वीडियो वायरल होने के

बाद एडीजी लॉ एंड ऑर्डर प्रशांत कुमार ने इसका संज्ञान लिया। वीडियो की जांच के बाद उन्होंने अंसारी के खिलाफ कार्रवाई का आदेश दिया है। इस बीच मऊ पुलिस ने सपा प्रत्याशी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

7 को है मऊ में वोटिंग

अब्बास अंसारी का यह वीडियो ऐसे समय पर सामने आया है जब मऊ में सातवें और अंतिम चरण में 7 मार्च को वोटिंग होगी। वोटिंग से ठीक पहले अब्बास ने सपा गठबंधन को घेरने के लिए भाजपा को एक और हथियार दे दिया है। हाल ही में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और पीएम नरेंद्र मोदी ने मुख्तार अंसारी की करतूतों की याद दिलाकर सपा को घेरा था। बीजेपी लगातार चुनावी रैलियों में दावा कर रही है कि सपा कि सरकार आई तो फिर गुंडागर्दी होगी। वहीं, नई सपा का नारा देने वाले अखिलेश यादव के लिए अब्बास की इस धमकी पर जवाब देना कठिन होगा।

धमाका: भागलपुर में 10 लोगों की मौत से सनसनी, पीएम मोदी ने नीतीश से की बात

पटना (एजेंसी)। बिहार के भागलपुर में शक्तिशाली धमाके में 10 लोगों की मौत हो गई। धमाका गुरुवार रात हुआ। इसकी वजह से तीन मंजिला जमींदोज हो गया। आसपास के कई अन्य मकान क्षतिग्रस्त हो गए हैं। पड़ोसियों का कहना है कि इस मकान में बम बनाए जाते थे। यह भी कहा गया है कि पीड़ित परिवार पटाखे बनाने का कारोबार करता है।

एएनआई के अनुसार इसमें 10 लोगों की मौत होने और कई के घायल होने की खबर है। धमाका तातारपुर पुलिस थाना क्षेत्र में हुआ। भागलपुर के कलेक्टर सुब्रत कुमार सेन ने बताया कि धमाके की वजह से दो मकान क्षतिग्रस्त हो गए हैं। मामले की जांच की जा रही है। घटना काजवलीचक इलाके में यतीमखाने के पास हुई।

खबरों में कहा गया है कि हादसे में 12 लोग जख्मी हुए हैं।। जिस मकान में धमाका हुआ, वह कोतवाली से सिर्फ 100 मीटर दूर है। भागलपुर डीआईजी सुजीत कुमार ने कहा, शुरुआती जांच में बारूद, अवैध पटाखा और देसी बम से धमाके की बात सामने आई है। उन्होंने कहा कि एफएसएल की टीम की जांच के बाद तय होगा कि धमाका किस वजह से हुआ।

लगा भूकंप जैसा झटका

जानकारी के अनुसार घटना आतिशबाज के घर गुरुवार रात 11.30 बजे हुई। धमाका इतना शक्तिशाली था कि दो मंजिला मकान के परखच्चे उड़ गए। विस्फोट की भयावहता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता कि घटनास्थल से चार किलोमीटर की परिधि में आने वाले मकान में मौजूद लोगों को भूकंप जैसे झटके महसूस हुए। धमाके के बाद पूरे इलाके में भारी भीड़ जमा हो गई। इस कारण पुलिस बल तैनात कर स्थिति संभालना पड़ी।

मलबे में दबे लोगों को तुरंत निकालकर अस्पताल भेजा गया। घायलों में कई की हालत गंभीर बताई गई है। शुक्रवार को प्रशासन की टीम ने जेसीबी से जमींदोज मकान व आसपास की इमारतों के क्षतिग्रस्त इमारतों का मलबा हटाया।

पीएम ने की नीतीश कुमार से बात

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भागलपुर में बम धमाकों में हुई मौतों पर दुख जताया है। उन्होंने मृतकों के परिजनों के प्रति प्रति संवेदना प्रकट की। पीएम ने घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की। घटना को लेकर पीएम मोदी ने बिहार के सीएम नीतीश कुमार से फोन पर बात की और पीड़ितों को हरसंभव मदद करने को कहा।

कोरोना की कैद से बाहर निकलता छत्तीसगढ़, 24 घंटे में 110 नए मरीज मिले, पॉजिटिविटी दर 1 प्रतिशत से कम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में कोरोना की तीसरी लहर का संक्रमण बहुत तेजी कम हो रहा है। पॉजिटिविटी दर भी 1% से नीचे है। गुरुवार को प्रदेश में 110 नए केस मिले हैं। कोरोना से 24 घंटे में एक की जान भी चली गई। राज्य में सक्रिय मरीजों की संख्या घटकर 1005 हो गई है। वहीं इस महामारी से अब तक प्रदेश में 14 हजार 30 लोगों की जान भी जा चुकी है।

स्वास्थ्य विभाग के राज्य कंट्रोल एंड कमांड सेंटर से मिली जानकारी के मुताबिक गुरुवार को प्रदेश में 110 नए केस मिले हैं, जिसमें सबसे ज्यादा रायपुर में 20 नए संक्रमित मिले हैं। इसके बाद दुर्ग में 14, बलरामपुर में 13, जशपुर में 10, बिलासपुर व कोरबा में 7-7, कोरिया में 6, सरगुजा में 5, रायगढ़ में 4, राजनांदगांव, बालोद एवं कबीरधाम से 3-3, बेमेतरा, मुंगेली, बस्तर व कांकेर में 2-2, धमतरी, बलौदाबाजार, महासमंद, जांजगीर-चांपा, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, दंतेवाड़ा व बीजापुर में 1-1 नए केस मिले हैं। प्रदेश के 5 जिलों में कोरोना का एक भी मामला सामने नहीं आया। वहीं 20 जिलों में 1 से 10 के बीच मरीज मिले हैं। बड़ी संख्या में मरीजों के स्वस्थ होने से सक्रिय मरीजों की संख्या घटकर 1,005 हो गई है।

प्रदेश में तेजी से कम हो रहे एक्टिव केस

गुरुवार को 21 हजार 367 सैंपलों की जांच की गई, जिसमें 110 मरीज मिले हैं। प्रदेश में पॉजिटिविटी दर घटकर 0.51% हो गई है। हॉस्पिटल से 11 लोग डिस्चार्ज हुए तो वहीं 222 लोगों ने होम आइसोलेशन पूरा किया है। राज्य नोडल अधिकारी डॉ. सुभाष मिश्रा ने बताया कि प्रदेश में एक्टिव मरीजों की संख्या में तेजी से कमी हो रही है। पॉजिटिविटी दर भी 1% से कम है। तेजी से हुए वैक्सीनेशन की वजह से कोरोना से ज्यादा नुकसान नहीं हुआ है।

अंबेडकर की प्रतिमा हटाने पहुंचे एसडीएम और तहसीलदार को जिंदा जलाने की कोशिश, ग्रामीणों ने पथराव भी किया

भिंड (एजेंसी)। भिंड जिले में सरकारी जमीन पर स्थित बाबा साहेब अंबेडकर की प्रतिमा हटाने पहुंची प्रशासन की टीम को आग लगाकर जिंदा जलाने और पत्थरों से हमला करने का मामला सामने आया है। घटना जिले के लहार जनपद के जनकपुरा गांव की बताई जा रही है।

जानकारी के अनुसार सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा कर स्थापित अंबेडकर की प्रतिमा को एसडीएम केवी विवेक और तहसीलदार नवीन भारद्वाज नगर पालिका के अमले के साथ हटाने पहुंचे थे, ग्रामीणों ने मूर्ति हटाने आए एसडीएम और तहसीलदार के साथ विवाद शुरू कर दिया। प्रशासन की टीम मूर्ति के पास पहुंची तो रोकने के लिए उन पर गोबर, कंडे और पत्थर फेंके साथ ही आस-पास चारों

तरफ पड़ी सूखी लकड़ियों में आग लगा दी। घटना के बाद इलाके में तनाव की स्थिति बन गई।

एसडीएम केवी विवेक ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि लहार जनपद के जनकपुरा गांव में जब वे प्रशासन के अमले के साथ सरकारी जमीन पर स्थापित प्रतिमा को हटाने पहुंचे थे, तो ग्रामीणों ने उन पर पत्थर, गोबर फेंका। साथ ही चारों तरफ आग लगाकर उन्हें और तहसीलदार को जिंदा जलाने की कोशिश की गई, जिस पर उन्होंने ग्रामीणों को समझाया कि उनके विरोध के लिए और इस तरह की घटनाओं के लिए उन पर कार्रवाई की जा सकती है, जिसके बाद ग्रामीणों ने उनकी बात सुनी और समझाने के बाद विवाद बंद किया। फिलहाल गांव में तनाव की जो स्थिति निर्मित थी उस पर काबू पा लिया गया है। ग्रामीणों ने सरकारी जमीन पर स्थापित प्रतिमा को खुद हटाने की बात कही है। घटना के बाद पुलिस की मौजूदगी में एसडीएम तहसील और नगर पालिका के अमले को सुरक्षित निकालकर लाया गया।

संपादकीय

शांति की गुहार

यूक्रेन-रूस युद्ध विवाद देश के सर्वोच्च न्यायालय तक पहुंच गया है, तो कोई आश्चर्य नहीं। मामले का संज्ञान लेते हुए प्रधान न्यायाधीश एनवी रमना ने यूक्रेन में फंसे भारतीय छात्रों को बचाने की याचिका पर सुनवाई की है और एक सोशल मीडिया पोस्ट का हवाला दिया है, जिसमें उनसे सवाल किया गया था कि युद्धग्रस्त देश से भारतीय नागरिकों को वापस लाने के लिए उन्होंने क्या कदम उठाए हैं? प्रधान न्यायाधीश का यह कहना दिलचस्प है कि इस मामले में वह क्या कर सकते हैं, क्या वह रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से युद्ध रोकने के लिए कह सकते हैं? मामला प्रधान न्यायाधीश के ऐसे प्रतिप्रश्न से कहीं अधिक गंभीर है। दरअसल, जब लोग निराश या परेशान होते हैं, तभी हर संभव दरवाजे पर दस्तक देते हैं। दरअसल, 200 से अधिक छात्रों की ओर से यह याचिका दायर हुई है, जो यूक्रेन में फंसे हुए हैं। सर्वोच्च न्यायालय से गुहार लगाई गई है कि वह छात्रों को बचाए। याचिकाकर्ता के वकील ने यह बताया है कि बचाव की उड़ानें पोलैंड और हंगरी से संचालित की जा रही हैं, रोमानिया से नहीं। ऐसे में, छात्राओं सहित भारतीयों की एक बड़ी संख्या है, जो बिना किसी सुविधा के वहां फंसी हुई है। खास यह कि सर्वोच्च न्यायालय की पीठ ने वकील की दलीलों पर गौर किया और अटॉर्नी जनरल के के वेणुगोपाल को रोमानिया सीमा के पास फंसे छात्रों को सुरक्षित स्वदेश लाने की प्रक्रिया तेज करने के निर्देश दिए।

> “बहुमत ऐसे देशों का है, जो रूस के खिलाफहैं, इसमें अचरज की कोई बात नहीं। इससे रूस और उसके समर्थक देशों को भी पता चल गया होगा कि उनके साथ दुनिया के कितने कम देश हैं। दुनिया के ज्यादातर लोग यही चाहते हैं कि यह युद्ध तत्काल रुकना चाहिए और व्लादिमीर पुतिन को संयुक्त राष्ट्र में हुए इस मतदान पर गौर करते हुए रूस को किसी बड़ी हानि से बचाना चाहिए। युद्ध की शुरुआत में ही यह स्थिति है, जब तबाही बढ़ेगी, तब शायद पुतिन के साथ कोई नहीं खड़ा होगा।

भारत सरकार लगातार समय-समय पर निर्देश जारी कर रही है कि छात्र तत्काल सुरक्षित इलाकों की ओर निकल जाएं। इसमें कोई संदेह नहीं कि छात्रों की वापसी के अभियान में देरी हुई है। पहले छात्रों को अपने स्तर पर स्वदेश लौटने के लिए इशारा किया गया था और अब सरकार को छात्रों की वापसी के लिए गंगा अभियान छेड़ना पड़ा है। चूंकि भारतीय छात्र वहां बड़ी संख्या में हैं, इसलिए उन्हें लेकर तरह-तरह की चर्चाएं भी उड़ रही हैं। सरकार को इन चर्चाओं पर गंभीरता से गौर करना चाहिए, क्या ऐसे छात्र हैं, जो वहां से लौटना नहीं चाहते? जो छात्र वहां मर्जी से रह जाएंगे, उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी किस पर होगी? क्या यूक्रेन की सेना भारतीय छात्रों को कवच की तरह इस्तेमाल कर रही है? या रूस ने भारतीयों को रिझाने या भरमाने मात्र के लिए यूक्रेनी सेना पर आरोप लगाए हैं? अगर किसी भी भारतीय के साथ बंधक जैसा व्यवहार किया जा रहा है, तो सच्चाई दुनिया के सामने आनी चाहिए। चिंता इसलिए भी ज्यादा है, क्योंकि सात हजार से ज्यादा भारतीय अभी भी युद्धग्रस्त क्षेत्रों में फंसे हुए हैं। भारत को सजग रहना होगा। संयुक्त राष्ट्र में हुए मतदान में 141 देश रूस के खिलाफहो गए हैं और महज पांच देश उसके साथ हैं, जबकि भारत सहित 34 देशों ने मतदान नहीं किया है। बहुमत ऐसे देशों का है, जो रूस के खिलाफहैं, इसमें अचरज की कोई बात नहीं। इससे रूस और उसके समर्थक देशों को भी पता चल गया होगा कि उनके साथ दुनिया के कितने कम देश हैं। दुनिया के ज्यादातर लोग यही चाहते हैं कि यह युद्ध तत्काल रुकना चाहिए और व्लादिमीर पुतिन को संयुक्त राष्ट्र में हुए इस मतदान पर गौर करते हुए रूस को किसी बड़ी हानि से बचाना चाहिए। युद्ध की शुरुआत में ही यह स्थिति है, जब तबाही बढ़ेगी, तब शायद पुतिन के साथ कोई नहीं खड़ा होगा।

> “भारत जैसे कई देश हैं, जो इस मसले पर न तो रूस के साथ हैं और न यूक्रेन के। लिहाजा, गुटनिरपेक्ष आंदोलन को फिर से खड़ा करने की कोशिश हमें करनी चाहिए और अफ्रीका व एशिया के देशों को आपस में मिलाना चाहिए। युद्ध खत्म करने के प्रयासों के साथ-साथ भारत को मानवाधिकार संगठनों के साथ मिलकर युद्धग्रस्त क्षेत्रों में मानवीय मदद भी पहुंचानी चाहिए। हमें यह पहल करनी ही होगी, फिर चाहे यह बेशक स्पष्ट न हो कि हम इसमें कितना सफल रहेंगे?

फिर एकजुट हों निरपेश देश

शशांक, पूर्व विदेश सचिव

रूस-यूक्रेन युद्ध में बेलारूस का कथित तौर पर शामिल होना चौंकाता नहीं है। इस जंग के बड़े फलक पर लड़ने की आहट पहले से ही सुनी जा रही थी। रूस पिछले कई वर्षों से यह कहता आ रहा था कि नाटो अपने हथियार लेकर मॉस्को के करीब न आए। मगर ऐसा नहीं हुआ। नाटो का न सिर्फ विस्तार होता गया, बल्कि पूर्व के सोवियत संघ के देशों में 'कलर रिवॉल्यूशन' (लोकतंत्र के समर्थन में हुए सत्ता-विरोधी आंदोलन) सफलतापूर्वक संपन्न भी हुए। जब रूस द्वारा खींची गई 'लाल रेखा' के करीब नाटो पहुंच गया, तो राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन पर धावा बोल दिया। उनको अगली क्रांति रूस में होने का अंदेशा रहा होगा। जाहिर है, तनाव काफी पहले से था, यह जंग तो उसकी महज परिणति है।

बेशक, बेलारूस प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से जंग में उतर गया है, लेकिन दबाव रूस पर कहीं अधिक है। पश्चिम और पूर्वी यूरोप के देश खुले तौर पर यूक्रेन के समर्थन में आ गए हैं। नाटो ने भी एलान किया है कि वह भले अपने सैनिकों को यूक्रेन नहीं भेज रहा, लेकिन उसे सभी सैन्य साजो-सामान जरूर मुहैया करा रहा है। यूक्रेन की सरकार ने भी तकरीबन अपने सभी नागरिकों को हथियार दे दिए हैं, और वे सभी दुश्मन फौज के खिलाफ मोर्चा संभाल चुके हैं। इससे रूस के उस दावे की कलई खुल रही है, जिसमें कहा गया था कि वह यूक्रेन के पूर्वी हिस्से में रहने वाले रूसी या रूसी मूल के नागरिकों की सुरक्षा के लिए हमला करने जा रहा है। अब उसको यह एहसास हो रहा होगा कि पश्चिमी यूक्रेन के बाशिंदे यह नहीं चाहते कि रूस उनके आसपास रहे।

ऐसे में, रूस के पास दो ही रास्ते थे। पहला, आर्थिक प्रतिबंधों को देखते हुए वह अपने साथ अन्य देशों को भी जोड़े, और दूसरा उपाय यह था कि अपनी आक्रामकता बढ़ाए। बेलारूस की आमद के साथ 'फादर ऑफ ऑल बम' के इस्तेमाल की चेतावनी और परमाणु मिसाइल ढोने में सक्षम विमानों की लातीन एवं दक्षिण अमेरिका के नजदीक तैनाती इसी की कड़ी है। वह इसका संकेत देना चाहता है कि जंग दो देशों (रूस व यूक्रेन) में नहीं, बल्कि दो महाशक्तियों (रूस और अमेरिका) के बीच लड़ी जा रही है। उसे इसकी जरूरत इसलिए थी, क्योंकि सोवियत संघ के विघटन के बाद रूस को अमेरिका महाशक्ति नहीं मान रहा था, और पश्चिम में यह सोच पनपने लगी थी कि वह मॉस्को के जितना करीब पहुंचेगा, रूस खुद में सिमटता चला जाएगा। इससे वहां भी स्वाभाविक तौर पर 'कलर रिवॉल्यूशन' आसान हो जाएगा। अमेरिका की इसी मान्यता को रूस तोड़ना चाहता है।

निस्संदेह, रूस ने यूक्रेन के साथ जो किया है, वह संयुक्त राष्ट्र के सिद्धांतों के विपरीत है, लेकिन अमेरिका व उसके सहयोगी देश जो कर रहे थे, वह इन नीतियों के कितनी करीब है, उस पर भी बहस होनी चाहिए, जो शायद ही कभी हो सकेगी। दिक्कत यह भी है कि इस तरह के अंतरराष्ट्रीय संघर्ष तभी होते हैं, जब हर पक्ष खुद को सही और विपक्ष को गलत मान बैठता है। इसलिए, दुनिया के तमाम देशों को इससे ऊपर उठना चाहिए।

भारत फिलहाल इस तनातनी से खुद को अलग रखने में सफल रहा है, लेकिन ऐसा कब तक बना रहेगा, यह कहना मुश्किल है। हमारे हजारों छात्र अब भी यूक्रेन में फंसे हैं और अनवरत तकलीफें झेल रहे हैं। भले ही, यह साफ नहीं हो सका है कि रूस अथवा यूक्रेन ने समय-पूर्व हमें हमले के कोई संकेत दिए थे या नहीं, लेकिन यह स्पष्ट है कि आगे की तस्वीर काफी भयावह है। बेलारूस की सीमा पर दोनों देशों में हुई वार्ता बेनतीजा रही। मगर हमें यह उम्मीद जरूर रखनी चाहिए कि हालात जल्द ही संभाल लिए जाएंगे। और, जब तक ऐसा नहीं होता, हमें अपने छात्रों की सुरक्षा को तवज्जो देनी चाहिए। उनको न सिर्फ स्थानीय प्रशासन के संपर्क में लगातार रहने का निर्देश देना चाहिए, बल्कि यूक्रेन को हरसंभव मानवीय सहायता भी भेजनी चाहिए। हम पूर्व में कई देशों की ऐसी मदद कर चुके हैं।

एक पहल यह भी हो सकती है कि इस जंग में सीधे तौर पर शामिल देशों को यह बताया जाए कि रूस पर लगे आर्थिक प्रतिबंधों से परोक्ष रूप से भारत भी प्रभावित हो रहा है। उनको यह एहसास दिलाना होगा कि रूस से निकलकर कंपनियां अगर भारत का रुख करती हैं, तो बेहतर है, अन्यथा इन कंपनियों का अन्य देशों में जाना हमें फायदा नहीं पहुंचाएगा। दरअसल, रूस पर इस तरह के प्रतिबंध लगाए गए हैं, जिनसे यूरोप में फार्मा, कृषि उत्पाद, गैस आदि उत्पादों के आयात प्रभावित नहीं होते। ऐसा इसलिए किया गया है, क्योंकि इनका विकल्प यूरोपीय देशों के पास नहीं है। जब तक अमेरिका उनको कोई विकल्प नहीं देता, रूस से इन चीजों की आपूर्ति होती रहेगी। हमें भी कोई उपाय तलाशना चाहिए और ऐसी व्यवस्था करनी चाहिए कि गैस व तेल के लिए रूस पर व खाद्य तेल के लिए यूक्रेन पर हमारी निर्भरता कम से कम हो। अमेरिका हमें भरोसा देने की कोशिश करता रहा है और कई मोर्चों पर नई दिल्ली व वाशिंगटन एक-दूसरे के करीब भी आए हैं, मगर यदि हम हर मसले पर अमेरिका का मुंह ताकने लगेंगे, तो सुरक्षा परिषद में हमारे लिए मुश्किलें खड़ी हो सकती हैं।

ऐसे में, कूटनीति का तकाजा यही है कि इस युद्ध में निरपेक्ष रहने वाले तमाम देशों को भारत एकजुट करे। भारत जैसे कई देश हैं, जो इस मसले पर न तो रूस के साथ हैं और न यूक्रेन के। लिहाजा, गुटनिरपेक्ष आंदोलन को फिर से खड़ा करने की कोशिश हमें करनी चाहिए और अफ्रीका व एशिया के देशों को आपस में मिलाना चाहिए। युद्ध खत्म करने के प्रयासों के साथ-साथ भारत को मानवाधिकार संगठनों के साथ मिलकर युद्धग्रस्त क्षेत्रों में मानवीय मदद भी पहुंचानी चाहिए। हमें यह पहल करनी ही होगी, फिर चाहे यह बेशक स्पष्ट न हो कि हम इसमें कितना सफल रहेंगे?

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

शिक्षकों-छात्रों पर भारी पड़ने लगी शिक्षा तंत्र की कमियां

अनुराग बेहार, सीईओ, अजीम प्रेमजी फाउंडेशन

बच्चों को स्कूलों में जो सीखना चाहिए, वह आखिर वे क्यों नहीं सीख पा रहे हैं? आइए, इसके लिए जिम्मेदार व्यवस्थागत कारणों का पता लगाएं। पहला कारण हमारी स्कूली शिक्षा-व्यवस्था की रूपरेखा से पैदा होता है। हमने कुछ दशक पहले एक विकल्प चुना था कि छोटे बच्चों की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक बस्ती में एक किलोमीटर के भीतर एक प्राथमिक विद्यालय होना चाहिए। यह कोशिश वाकई काम आई और यह एक प्रमुख कारण रहा है कि उस आयु वर्ग के अधिकांश बच्चे अब प्राथमिक विद्यालयों में जा रहे हैं, लेकिन इसने कुछ मुश्किलें भी पैदा कर दी हैं।

चूंकि हर प्राथमिक विद्यालय एक बस्ती की सेवा करता है, इसलिए कक्षा एक से पांच तक के बच्चों की संख्या कम होती है। छोटे छात्र समूह के चलते स्कूल में अक्सर एक या शायद दो शिक्षक होते हैं। वे एक साथ पांच कक्षाएं पढ़ाते हैं और तीन विषय भी। इस शिक्षण से मुश्किलें कई गुना बढ़ जाती हैं। ऐसे स्कूलों के शिक्षक अलग-थलग पड़ जाते हैं और उनकी मदद करना भी कठिन होता है। समस्या का दूसरा कारण सार्वजनिक शिक्षा में अपर्याप्त निवेश से पैदा होता है, कहीं संसाधनों की कमी होती है, तो कहीं गुणवत्ता अच्छी नहीं होती।

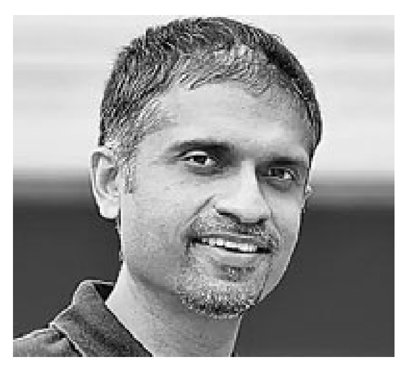

शिक्षा पर हमें जितना खर्च करना चाहिए, उतना हम नहीं कर रहे हैं। दशकों से हम शिक्षा पर छह प्रतिशत खर्च करने की प्रतिबद्धता जताते रहे हैं, पर खर्च लगभग तीन प्रतिशत ही कर रहे हैं। खर्च में कमी कई समस्याओं को रेखांकित करती है। शिक्षकों की कमी, कुछ राज्यों में बड़ी संख्या में अल्पकालिक अनुबंध वाले, कम पारिश्रमिक वाले शिक्षक भी समस्या हैं। शिक्षकों की कमी की वजह से भी शिक्षा की पहुंच नहीं बन पा रही है। स्कूल की अन्य जरूरतों को पूरा करने के लिए स्टाफ की कमी भी आड़े आती है। स्कूलों में शौचालय, पानी और बिजली जैसी बुनियादी सुविधाओं की कमी के साथ खराब रखरखाव की भी समस्या है। वर्षों से मध्याह्न भोजन में पोषण का स्तर खराब हो रहा है। इन तमाम कमियों की वजह से बच्चों का स्कूलों के साथ लगाव भी प्रभावित होता है।

तीसरा कारण है, हमारी खराब शिक्षक शिक्षा प्रणाली। हमारे पास दुनिया की सबसे खराब और सबसे भ्रष्ट शिक्षक शिक्षा प्रणाली है। असलियत यह है कि हमारे 90 लाख शिक्षकों में से अधिकांश ने बहुत खराब गुणवत्ता वाला बीएड या डीएड पूरा किया है। कई शिक्षण कॉलेज ऐसे भी हैं, जो सिर्फ डिग्री बेचते हैं, यहां तक कि छात्रों को कक्षाओं में जाने की जरूरत भी नहीं पड़ती है। न केवल बुनियादी शिक्षा पर, बल्कि शिक्षक शिक्षा-व्यवस्था सुधारने की दिशा में भी काम करना जरूरी है।

चौथा कारण है हमारी शिक्षा प्रणाली की रूपरेखा और संस्कृति, जो शिक्षा व्यवस्था को लचीला और मजबूत बनाने के बजाय कठोर व केंद्रीकृत बनाती है। ऐसी संस्कृति को बढ़ावा मिला है, जो शिक्षकों को बलि का बकरा मानती है और जो शिक्षकों के वास्तविक सामाजिक-मानवीय जुड़ाव से रहित है। ऐसे में, शिक्षक बड़े पैमाने पर असहाय, पदावनत और कमजोर हैं।

पांचवां कारण है व्यवस्था का प्रशासनिक नेतृत्व और प्रबंधन। व्यवस्था की रूपरेखा चाहे जैसी हो, नेतृत्व से फर्क काफी पड़ता है। कुछ राज्यों में अच्छे नेता फर्क पैदा कर देते हैं, लेकिन अनेक बार नेतृत्व घटिया होता है। ऐसे में, शिक्षकों से लगातार गैर-शैक्षणिक मांगें की जाती हैं, चुनाव ड्यूटी से लेकर मलेरिया विरोधी अभियान तक; उनकी प्राथमिकताएं लगातार बदलती रहती हैं। गैर-शैक्षणिक कार्य उन्हें उनकी मुख्य भूमिका से भटकाते हैं। इसके अलावा, पाठ्यपुस्तकों का विकास भी जरूरी है।

छठा कारण स्कूली शिक्षा में प्रमुख संस्थानों की लचर क्षमता है। हमारे पास ऐसे दूरदर्शी संस्थान होने चाहिए, जो महत्वपूर्ण शैक्षणिक मामलों में नेतृत्व व सहयोग करें। जैसे, पाठ्यक्रमों, पाठ्यपुस्तकों व मूल्यांकन प्रणाली का विकास आदि। हमारे पास ऐसे अहम संस्थान होने चाहिए, जो स्थानीय जरूरतों के अलावा देश के भी काम आएं। हालांकि, बहुत से ऐसे संस्थान आंतरिक और बाहरी राजनीति में उलझे हुए हैं। हमारे शैक्षणिक विचार और व्यवहार ऐसे हैं, जो हमें नीचे ले जा रहे हैं। भारत में सीखने या पढ़ाई पर जो संकट खड़ा हुआ है, उससे निपटने की न तो क्षमता दिखती है और न इच्छा। हमारे शिक्षकों-बच्चों को खुद अपनी देखभाल के लिए छोड़ दिया गया है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे

9827806026, 7869620239

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

छत्तीसगढ़ में तीन साल में 10 गुना बढ़ गया मक्के का रकबा

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य में बीते तीन-चार सालों में मक्के की खेती को लेकर किसानों का रूझान काफी तेजी से बढ़ा है। इस दरम्यिान मक्के का रकबा 13 हजार हेक्टेयर से बढ़कर एक लाख 46 हजार हेक्टेयर हो गया है, जो कि 10 गुना से भी अधिक है। राज्य में समर्थन मूल्य पर 1870 रूपए प्रति क्विंटल की दर से मक्के की खरीदी और कोण्डागांव में प्रसंस्करण केन्द्र शुरू होने से किसानों को बेहतर दाम मिलने लगा है, जिसके चलते मक्के के रकबे में तेजी से वृद्धि हुई है। केन्द्र से अनुमति मिलने के बाद कोण्डागांव मक्का प्रसंस्करण केन्द्र में मक्का से स्टार्च के स्थान अब एथेनाल के उत्पादन के लिए प्लांट लगाए जाने की तैयारी जोर-शोर से जारी है। बीते रबी सीजन 2020-21 में राज्य में 93 हजार 200 हेक्टेयर में किसानों ने मक्के की खेती की थी, जिसका रकबा चालू रबी सीजन में बढ़कर एक लाख 46 हजार 130 हेक्टेयर हो गया है। एक साल के दरम्यिान मक्के के रकबे के लक्ष्य में लगभग 53,000 हेक्टेयर की वृद्धि अपने आप में एक रिकॉर्ड है। गौरतलब है कि राज्य में रबी सीजन 2017-18 में मात्र 13 हजार 440 हेक्टेयर में मक्के की खेती किसानों ने की थी। वर्ष 2016-17 में रबी सीजन में मात्र 12 हजार हेक्टेयर में मक्के की खेती हुई थी। राज्य में तीन-चार साल पहले दर्जनभर जिले ऐसे थे, जहां मक्के की खेती लगभग नहीं के बराबर थी। आज स्थिति में कोरिया जिले को छोड़कर शेष सभी जिलों में मक्के की खेती किसान करने लगे हैं जिसके चलते मक्के की खेती का रकबा 10 गुना से अधिक बढ़ गया है। वर्ष 2016-17 की तुलना में राज्य के बिलासपुर संभाग के जिलों में इस साल मक्के की खेती का रकबा 130 गुना बढ़ा है। बिलासपुर संभाग के जिलों में पहले मात्र 680 हेक्टेयर में मक्के की खेती होती थी, जिसका रकबा आज बढ़कर 19 हजार 662 हेक्टेयर हो गया है। राज्य के कोण्डागांव जिले में सर्वाधिक 45 हजार 880 हेक्टेयर में मक्का की खेती किसान कर रहे हैं। यहां पहले बमुश्किल 9 हजार हेक्टेयर में मक्का बोया जाता था।

गौमूत्र का खेती-किसानी में उपयोग के लिए अनुसंधान करें - मुख्य सचिव

वर्मी कम्पोस्ट के उठाव और उपयोग के लिए किसानों को प्रेरित करें

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्य सचिव अमिताभ जैन ने राज्य में खेती में गौमूत्र के वैज्ञानिक एवं व्यस्थित उपयोग की कार्य योजना तैयार करने के संबंध में आज मंत्रालय में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, कामधेनु विश्वविद्यालय, कृषि, पशुपालन तथा सहकारिता विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक ली। मुख्य सचिव अमिताभ जैन ने बैठक में कहा कि रासायनिक खादों और विषैले कीटनाशकों के निरंतर उपयोग से मिट्टी की उर्वरा शक्ति कम होती जा रही है। रासायनिक खादों के अत्याधिक उपयोग से जनसामान्य के स्वास्थ्य पर भी विपरीत प्रभाव पड़ रहा है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मंशा है कि खेती में जैविक खाद तथा गौमूत्र के उपयोग को बढ़ावा दिया जाए। उन्होंने कहा कि राज्य के गौठानों उच्च क्वालिटी की जैविक खाद तैयार की जा रही है, जिसका उपयोग किसान खेती में कर रहे हैं। उन्होंने राज्य में खेती-किसानी में गौमूत्र के उपयोग के लिए कृषि वैज्ञानिकों से एकेडमिक रिसर्च की अपील की। उन्होंने कहा कि इससे गौमूत्र के गुण, गौमूत्र में उपलब्ध विभिन्न प्रकार के तत्वों की मात्रा और इसके लाभ के बारे में तथ्यात्मक जानकारी सामने आएगी। उन्होंने राज्य के सभी 27 कृषि विज्ञान केन्द्रों में प्रदर्शन के रूप में ली जाने वाली फसलों में गौमूत्र के वैज्ञानिक उपयोग की भी बात कही। मुख्य सचिव ने कहा कि जैविक खाद एवं गौमूत्र के प्रयोग वाली फसलों की स्थिति का अवलोकन भी किसानों को कराया जाना चाहिए, जिससे वह खेती-किसानी में इसके उपयोग के लिए प्रेरित होंगे।

मुख्य सचिव ने आगे कहा कि गौमूत्र में नाईट्रोजन की प्रधानता और रोग प्रतिरोधक क्षमता होती है। इसका उपयोग रासायनिक उर्वरक यूरिया के विकल्प के रूप में किया जा सकता है। उन्होंने राज्य के कृषि वैज्ञानिकों से यूरिया के स्थान पर गौमूत्र के उपयोग की वैज्ञानिक तकनीक विकसित करने का भी आव्हान किया। राज्य में कई किसान कीटनाशक के रूप में गौमूत्र का उपयोग कर रहे हैं। उन्होंने ऐसे कृषकों को चिन्हित कर एक राज्य स्तरीय कार्याशाला का आयोजन और गौमूत्र के लाभ के बारे में जानकारी एकत्र करने के भी निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने कहा कि गौठानों में उत्पादित वर्मी कम्पोस्ट का उपयोग राज्य के किसान खेती किसानी वृहद पैमाने करें, इसके लिए व्यापक प्रचार-प्रसार और किसानों को प्रेरित करने की जरूरत है।

मुख्य सचिव ने कहा कि जैसा कि हम सब जानते हैं कि जैविक खाद के उपयोग से फसल अच्छी होती है। मिट्टी की उर्वरा शक्ति बनी रहती है। खेती-किसानी की लागत में कमी आती है और जैविक उत्पाद का बाजार मूल्य अच्छा मिलने से किसानों को ज्यादा लाभ होता है। इस बात को किसानो ंको बताने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि जैविक खाद, रासायनिक उर्वरक डीएपी और सुपर फास्फेट का बेहतर विकल्प है। इसके मद्देनजर उन्होंने राज्य में खरीफ-2022 सीजन के लिए उर्वरक अग्रिम उठाव योजना के तहत सोसायटियों से रासायनिक उर्वरकों के साथ-साथ वर्मी खाद के उठाव के लिए किसानों को समझाईश देने की बात कही।

बैठक में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल, कामधेनु विश्वविद्यालय के कुलपति, आयुक्त डॉ. कमलप्रीत सिंह, कृषि सचिव डॉ. एस. भारतीदासन, सहकारिता सचिव हिमशिखर गुप्ता, संचालक कृषि यशवंत कुमार, संचालक पशु चिकित्सा सेवाएं संजय चंदन त्रिपाठी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्य सचिव ने जैविक खाद के वितरण की स्थिति की समीक्षा की

रायपुर। मुख्य सचिव अमिताभ जैन ने महानदी मंत्रालय भवन में कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों की बैठक लेकर राज्य के गौठानों में गोधन न्याय योजना के तहत क्रय किए जा रहे गोबर से जैविक खाद के उत्पादन एवं किसानों को सहकारी समिति के माध्यम से वितरण की स्थिति की गहन समीक्षा की। मुख्य सचिव श्री जैन ने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य जैविक एवं रि-जनरेटिव खेती की ओर तेजी से बढ़ रहा है। राज्य में जैविक खेती को बढ़ावा दिए जाने की मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल की मंशा के अनुरूप गौठानों में वृहद पैमाने पर जैविक खाद के उत्पादन एवं इसके वितरण की व्यवस्था सुनिश्चित की जानी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को वर्तमान में गौठानों में उपलब्ध 6.50 लाख क्विंटल जैविक खाद जिसमें वर्मी कम्पोस्ट एवं सुपर कम्पोस्ट शामिल है, का सोसायटियों के माध्यम से चालू माह में किसानों को वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने कहा कि आगामी खरीफ सीजन 2022 को ध्यान में रखते हुए जैविक खाद का उत्पादन निरंतर बनाए रखा जाना चाहिए।

2 हजार क्विंटल फूड ग्रेड महुआ के संग्रहण का लक्ष्य

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश के महुआ संग्राहकों को अधिक से अधिक मूल्य दिलाने के लिए इस वर्ष महुआ फूल (सूखा) के साथ-साथ वैज्ञानिक पद्धति से संग्रहित 'फूड ग्रेड महुआ' का क्रय न्यूनतम समर्थन मूल्य पर किया जाएगा। इसके लिए महुआ संग्राहकों को फूड ग्रेड के महुआ फूल के संग्रहण का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। राज्य सरकार द्वारा महुआ का न्यूनतम समर्थन मूल्य 33 रूपए प्रति किलोग्राम घोषित किया गया है। न्यूनतम समर्थन मूल्य घोषित होने के बाद बाजार में संग्राहकों को न्यूनतम समर्थन मूल्य से अधिक मूल्य मिल रहा है। यदि महुआ संग्राहक फूड ग्रेड के महुआ का संग्रहण करते हैं, तो इसका मूल्य 50 रूपए प्रति किलोग्राम है। महुआ संग्रहण तथा प्रसंस्करण में उन्नत वैज्ञानिक तकनीक का प्रयोग करने पर फूड ग्रेड महुआ का वर्तमान में 116 रूपए प्रति किलोग्राम तक मूल्य मिल रहा है।

महुआ संग्राहकों को फूड ग्रेड महुआ के संग्रहण का प्रशिक्षण देने के लिए गरियाबंद जिले के देवभोग क्षेत्र के ग्राम फरसरा में प्रदेश स्तरीय प्रशिक्षण 5 मार्च को आयोजित किया गया है, जिसमें पूरे प्रदेश से लगभग 60 से 80 प्रतिभागी शामिल होंगे। फूड ग्रेड के महुआ के संग्रहण के लिए महुआ पेड़ के नीचे नेट फैलाकर एक छत्र तैयार किया जाता है। पेड़ से गिरने वाला महुआ फूल इस नेट में इकट्ठा होगा, जो जमीन की धूल और रेत से सुरक्षित रहेगा। इन महुआ फूलों को इकट्ठा कर वेजिटेबल कैरेट में पॉलीथीन बिछाकर रखा जाएगा, जिसे संग्राहक अपनी प्राथमिक वनोपज समिति में बेच सकेंगे।

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल की मंशा के अनुरूप वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री मोहम्मद अकबर के मार्गदर्शन में वनवासियों को लघु वनोपजों के संग्रहण और प्रसंस्करण के माध्यम से अधिक से अधिक लाभ दिलाने के प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में राज्य लघु वनोपज संघ द्वारा फूड ग्रेड महुआ फूल संग्रहण की प्रक्रिया विकसित की गई है।

राज्य में वर्ष 2022 में 2000 क्विंटल फूड ग्रेड महुआ संग्रहण का लक्ष्य रखा गया है। इसके विक्रय के लिए अग्रिम निविदा जारी की गई। प्रथम चरण में 1150 क्विंटल महुआ फूल 116 रूपए प्रति किलोग्राम की दर पर विक्रय हुआ है।

पीएचसी, सीएचसी एवं जिला अस्पतालों में टीबी का निःशुल्क इलाज

टीबी मरीजों की पहचान के लिए डोर-टू-डोर कैंपेन, टी.बी. को मात दे चुके लोग इसके उन्मूलन में कर रहे हैं सहयोग

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वर्ष 2025 तक प्रदेश को टी.बी. (क्षय रोग) मुक्त करने के लिए राज्य शासन के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा अनेक कदम उठाए जा रहे हैं। टी.बी. एक संक्रामक बीमारी है, जो शरीर के हर अंग को प्रभावित करती है। खासतौर पर यह फेफड़ों को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाता है। टी.बी. माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरक्लोसिस नामक बैक्टीरिया से फैलता है।

यह एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैलने वाली बीमारी है। यह उन व्यक्तियों को जल्दी अपनी चपेट में ले लेता है जिनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होती है। समय पर इसके लक्षणों की पहचान और उपचार कराकर इस रोग से बचा जा सकता है। क्षय नियंत्रण कार्यक्रम के राज्य नोडल अधिकारी डॉ. वाई.के. शर्मा ने

बताया की प्रदेश में टी.बी. रोगियों की पहचान के लिए व्यापक डोर-टू-डोर कैंपेन चलाया जा रहा है। इसके तहत दो करोड़ 63 लाख से अधिक लोगों की स्क्रीनिंग की गई है, जिनमें से 2300 लोग इससे संक्रमित पाए गए हैं। उन्होंने बताया कि रोगियों को निर्धारित श्रेणी के अनुसार ट्रीटमेंट सपोर्टर की देखरेख में दवाई खिलाई जाती है। टी.बी. का इलाज कम से कम छह महीने का होता है। कुछ विशेष अवस्थाओं में डॉक्टर की सलाह पर टी.बी. का इलाज छह महीने से अधिक तक चलाया जा सकता है। टी.बी. के उपचार के दौरान कई मरीज कुछ स्वस्थ होने के बाद दवाई का सेवन बंद कर देते हैं, जिससे यह रोग और विकराल रूप ले सकता है।

प्रदेश के सभी शासकीय स्वास्थ्य केंद्रों में टी.बी. के इलाज के लिए अच्छी गुणवत्ता की दवाईयाँ उपलब्ध है। सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और जिला अस्पतालों में इसकी निःशुल्क जांच, इलाज और दवाई उपलब्ध है। प्रदेश में टी.बी. के सभी पंजीकृत मरीजों को क्षय पोषण योजना के तहत इलाज के दौरान पोषण आहार के लिए प्रति माह 500 रूपए की राशि दी जाती है। डॉट सेंटर्स या डॉट प्रोवाइडर्स के माध्यम से टी.बी. से पीड़ित मरीजों को घर के पास या घर पर ही दवाई उपलब्ध कराई जा रही है।

टीबी के प्रमुख लक्षण

टी.बी. के प्रमुख लक्षणों में दो सप्ताह या उससे अधिक समय तक खांसी होना, खांसी के साथ बलगम आना, कभी-कभी थूक से खून आना, वजन का कम होना, भूख में कमी होना, सांस लेते हुए सीने में दर्द की शिकायत तथा शाम या रात के समय बुखार आना जैसे लक्षण शामिल हैं।

कैसे होता है टीबी : टी.बी. के बैक्टीरिया सांस द्वारा शरीर में प्रवेश करते हैं। किसी रोगी के खांसने, बात करने, छींकते या थूकते समय बलगम व थूक की बहुत ही छोटी-छोटी बूंदें हवा में फैल जाती हैं। इनमें उपस्थित बैक्टीरिया कई घंटों तक हवा में रह सकते हैं और स्वस्थ व्यक्ति के शरीर में सांस लेते समय प्रवेश करके रोग पैदा करते हैं। एक मरीज 15-20 लोगों को संक्रमित कर सकता है।

टी.बी. से बचाव : टी.बी. से बचाव के लिए जन्म के एक वर्ष के भीतर शिशु को बीसीजी का टीका लगवाना चाहिए। टी.बी. की दवाई को बिना डॉक्टरी सलाह के बंद न करें। खांसते व छींकते समय मुंह को ढंक कर रखें। आसपास साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखें। राज्य के कई जिलों में टी.बी. का पूर्ण उपचार प्राप्त कर ठीक हो चुके लोगों को टी.बी. के उन्मूलन के लिए प्रशिक्षण दिया गया है। टी.बी. मितान या टी.बी. चैंपियन के रूप में सम्मानित किया जाता है।

शिक्षा मंडल की हेल्पलाइन पर प्रदेश भर से छात्रों-अभिभावकों के फोन, हो रहा शंकाओं का समाधान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल रायपुर की हेल्पलाइन के टोल फ्री नम्बर 18002334363 पर प्रतिदिन लगातार फोन आ रहे हैं। छात्रों और उनके अभिभावकों की समस्याओं का मंडल के अधिकारी निराकृत कर रहे हैं। रायपुर, महासमुन्द, कांकेर, राजनांदगांव, बेमेतरा, रायगढ़, बिलासपुर, बलौदाबाजार, दुर्ग, सूरजपुर, कोरबा, जांजगीर-चांपा और मुंगेली जिले से हेल्पलाइन नम्बर पर प्रश्न पूछे गए, जिनका निराकरण विषय विशेषज्ञों द्वारा किया गया और उनकी शंकाओं का समाधान किया गया।

हेल्पलाइन में आज विषय विशेषज्ञ श्रीमती पापिया बेनर्जी, डॉ. गीता तानवानी, श्रीमती अंशु गुलाटी व उज्जवला अम्बास्था अंग्रेजी विषय संबंधित समस्याओं का निराकरण किया गया।

साथ ही मण्डल के उपसचिव जे.के. अग्रवाल एवं हेल्पलाइन समन्वयक प्रदीप कुमार साहू श्रीमती अर्चना वर्मा श्रीमती अलका दानी सहायक प्राध्यापक ने विद्यार्थियों द्वारा पूछे गये समस्याओं का समाधान किया। 3 मार्च को कक्षा 12वीं के अंग्रेजी विषय की समस्या समाधान के लिए 87 फोन कॉल हेल्पलाइन टोल फ्री नम्बर पर आयें।

विद्यार्थियों ने अंग्रेजी विषय से संबंधित आर्टिकल राइटिंग, समरी राइटिंग, प्रश्न-उत्तर, नोट-मेकिंग, अंग्रेजी याद करने के तरीके अंग्रेजी पेपर कैसा आयेगा, कौन-कौन सा लेटर आयेगा, मॉडल प्रश्न पत्र से प्रश्न पूछा जायेगा, ब्लूप्रिंट के अनुसार प्रश्न-पत्र आयेगा क्या? मार्केट में उपलब्ध प्रश्न बैंक में क्या डिफ्रेंस है? नोट मेकिंग के टॉपिक क्या होंगे? जैसे प्रश्न विद्यार्थियों ने किये।

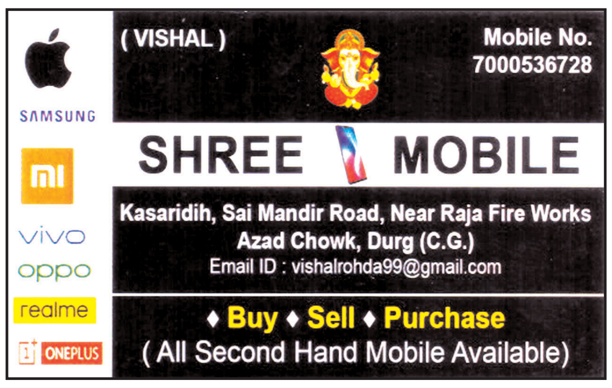

खास खबर

महिलाओं के लिए प्लेसमेंट कैम्प 7 मार्च को

रायपुर। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र, रायपुर द्वारा स्थानीय शिक्षित बेरोजगार महिलाओ को निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 7 मार्च को प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन किया जाएगा। यह कैम्प जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र-रायपुर, पुराना पुलिस मुख्याल, रायपुर में होगा।

इस प्लेसमेंट कैम्प के माध्यम से निजी क्षेत्र के नियोजक कैरियर ट्री एचआर सॉल्यूशन्स प्रा0 लिमिटेड, चैन्नई (तमिलनाडू) द्वारा भारत एफआईएच लिमिटेड के लिए महिला ऑपरेटर के 200 से अधिक पदों पर 10वी/12वीं/आई टीआई एवं डिप्लोमा डिग्री उत्तीर्ण 18 से 30 वर्षीय महिला उम्मीदवारों की भर्ती की जाएगी इन पदों पर चयनित होने पर 13 हज़ार 107 रुपये प्रतिमाह की दर पर श्रीपेरूम्बदूर (चैन्नई) स्थित प्लांट हेतु की जाएगी। चयनित महिला आवेदकों का कार्यस्थल श्रीपेरूम्बदूर (चैन्नई) एवं श्री सिटी. टाडा (आंध्र प्रदेश) होगा। इन पदों के लिए भर्ती हेतु योग्य एवं इच्छुक महिला आवेदक अनिवार्यत: अपने अभिवावक के साथ 7 मार्च को समय सुबह 11 से 2 बजे तक उपस्थित होकर, साक्षात्कार प्रक्रिया में सम्मिलित हो सकती है। प्लेसमेंट कैम्प में आवेदक सोशल डिस्टेंटिंग का पालन करते हुए सम्मिलित होंगे।

मोर मकान-मोर चिन्हारी के हितग्राहियों से मिले केन्द्रीय सचिव

रायपुर। आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय भारत सरकार के सचिव मनोज जोशी रायपुर प्रवास के दौरान आज 'मोर मकान-मोर चिन्हारी' योजना के तहत लाभांडी क्षेत्र में संकल्प होम फेस-2 के हितग्राहियों से मुलाकात की। योजना की सराहना करते हुए उन्होंने इसे जरूरतमंद परिवारों के लिए उपयोगी बताया और विश्वास व्यक्त किया कि अपने घर का सपना पूरा कर वे अपने जीवन स्तर में सार्थक बदलाव कर सकेंगे। इस दौरान नगरीय प्रशासन सचिव अलरमेल मंगई डी, संयुक्त सचिव हेमंत कुमार पटेल, कलेक्टर सौरभ कुमार, कमिश्नर प्रभात मलिक, एडिशनल कमिश्नर अभिषेक अग्रवाल, कार्यपालन अभियंता राजेश शर्मा भी साथ थें।

राज्य स्तरीय महिला मड़ई 5 से 8 मार्च तक राजधानी के बीटीआई मैदान में

रायपुर। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा कई कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। राजधानी रायपुर के शंकर नगर स्थित बीटीआई ग्राउंड में 07 मार्च को राज्य स्तरीय महिला सम्मेलन का आयोजन होगा। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और महिला एवं बाल विकास मंत्री अनिला भेंड़िया शामिल होंगी। 08 मार्च को सुबह 7 बजे बड़ी संख्या में महिलाओं द्वारा साइकिल रैली निकाली जाएगी। इसके साथ ही बीटीआई ग्राउंड में 05 से 08 मार्च तक तीन दिवसीय राज्य स्तरीय महिला मड़ई का आयोजन किया जाएगा। मड़ई में राज्य की स्व-सहायता समूहों द्वारा तैयार उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई जाएगी। यहां महिलाओं के सशक्त होते कदमों और आत्मनिर्भर बनते जीवन की झलक दिखाई देगी।

बिरगांव नगर निगम के लोगों को नहीं मिल रहा पीने का शुद्ध पानी

रायपुर (ए)। बिरगांव निगम के अंतर्गत आने वाली जनता को इन दिनों पानी की एक-एक बूंद के लिए तरसना पड़ रहा है। क्योंकि बिरगांव नगर निगम वहां की जनता को शुद्ध पानी पिलाने में नाकाम साबित हो रहा है। पीने के पानी के लिए वहां के लोगों को काफी मशक्कत करनी पड़ रही है। क्योंकि खारून नदी में गंगरेल बांध से आने वाला पानी बेंद्री एनीकट तक पानी नहीं पहुंच रहा है।

इस कारण एनीकट का पानी गंदा हो गया है। गंदे पानी को निगम का फिल्टर प्लांट साफ नहीं कर पा रहा है। निगम के अधिकारी कलेक्टर और कृषि विभाग के अधिकारियों से पानी छोड़ने की कई बार गुहार लगा चुके है, लेकिन उसके बाद भी कोई हल नहीं निकल रहा है। निगम के अधिकारी का कहना है कि बिरगांव में शुद्ध पानी की सप्लाई करना एक जटिल समस्या बन गई है लेकिन टैंकर से लोगों तक पानी पहुंचाया जा रहा है।

गौरतलब है कि बिरगांव नगर निगम के अंतर्गत आने वाले 40 वार्डों में कुल सवा लाख के करीब आबादी निवासरत है। बिरगांव निगम के अंतर्गत पाइप लाइन बिछाने का काम चल रहा है। वर्मतान में 25 वार्डों में ही पाइप लाइन बिछाने का काम पूरा हो पाया है बाकि के बचे हुए 15 वार्ड की जनता आज भी टैंकर और बोर के भरोसे है। बिरगांव में गर्मी शुरू होते ही जल स्तर नीचे चला जाता है। जिससे बोर सूखने लगते हैं। निगम टैंकर से पानी की सप्लाई करता है। टैंकर के लिए लोग घंटों लाइन में लगकर अपनी बारी का इंतजार करते हैं।

छत्तीसगढ़ में स्वच्छता को रोजगार से जोड़ा गया: डॉ. डहरिया

देश के 20 से ज्यादा राज्य बने प्रतिभागी

भारत सरकार के अधिकारी हुए शामिल

रायपुर। छत्तीसगढ़ के नगरीय प्रशासन मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया ने कहा है कि छत्तीसगढ़ में स्वच्छता को रोजगार से जोड़ा गया है। इससे छत्तीसगढ़ के शहरों को स्वच्छ बनाने में सफलता मिली है। डॉ. डहरिया आज यहां छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में एक निजी होटल में आयोजित सोशल इंटरप्राइजेस फॉर गारबेज फ्री सिटी नेशनल कॉन्क्लेव के समापन सत्र को संबोधित कर रहे थे। भारत सरकार के आवास एवं नगरीय मामले मंत्रालय द्वारा आयोजित नेशनल कॉन्क्लेव में देश के 20 राज्यों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री डॉ. डहरिया ने कहा कि स्वच्छता मॉडल की जब हमने शुरूआत की तो राज्य में स्वच्छता के क्षेत्र में कार्य बहुत धीमी गति से हो रहे थे। हमारी कोशिश रही है राज्य की स्वच्छता की पुरानी परंपरा को जीवित करते हुए आगे बढ़ाया जाए। इसके लिए हमने नरवा गरवा घुरवा बारी से स्वच्छता को जोड़ा। हमने सिंगल यूज प्लास्टिक बैन पर जोर दिया। हमारे यहां तो पुरानी परंपरा में प्लास्टिक का उपयोग था ही नहीं, दोना पत्तल ही चलते हैं। हमने वहीं परंपरा फिर से शुरू की। अब तो लोग जागरूक हैं खुद ही प्लास्टिक लेने से इंकार कर देते हैं। 6 आर पॉलिसी रीथिंक, रियूज, रिसाइकिल, रिपेयर, रिडयूस, रिफ्यूज के आधार पर काम किया इससे हुआ ये कि नए अपशिष्ट बनने की मात्रा कम होने लगी। बस्तियों में सामुदायिक और सार्वजनिक शौचालय बनाए लोगों ने अपना पूरा सहयोग दिया। मानव मल प्रबंधन के लिए स्लज ट्रीटमेंट प्लांट बनाए जहां सीवर का पानी ट्रीट होता है।

उन्होंने कहा कि राज्य की सफलता के लिए पीछे 10 हजार से अधिक स्वच्छता दीदियां हैं। हमने तो दीदीयों को प्रोत्साहित किया ही, अपितु दीदियों ने एक कदम आगे बढ़कर राज्य के हर एक नागरिक को स्वच्छता के लिए प्रोत्साहित किया। स्वच्छता के छत्तीसगढ़ मॉडल की सफलता का मूल मंत्र कचरा प्रसंस्करण को आजीविका से जोड़ना रहा है। वैदिक सिद्धांत अनुसार अर्थ, धर्म, काम, मोक्ष के सूत्र की प्रथम कड़ी में गरीब महिलाओं को अर्थ से जोड़ते हुए सर्कुलर इकोनॉमी को मजबूत करने का अपना धर्म सरकार निभा रही है और एक धर्म दीदियां भी निभा रही है। लोगों को जागरूक करने के लिए हमारी दीदियों ने डोर-टू-डोर जाकर गीला-सूखा कचरा अलग रखने के लिए प्रशिक्षण दिया है और लोगों में स्वच्छता को एक आदत के रूप देने में बड़ी तन्मयता से अपनी भूमिका निभाई है।

कार्यक्रम को रायपुर नगरपालिक निगम के महापौर एजाज ढेबर ने सम्बोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार के सहयोग से और मार्गदर्शन में हम रायपुर शहर को देश के सर्वोत्तम स्वच्छ शहर बनाने के लिए लगातार कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और नगरीय प्रशासन मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया लगातार हमें प्रेरित कर रहे हैं। उन्होंने रायपुर में स्वच्छता के कार्यों की विस्तार से जानकारी दी एवं देश के विभिन्न राज्यों से आए प्रतिभागियों का अभिनंदन किया। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ शासन के मुख्य सचिव अमिताभ जैन, भारत सरकार के आवास एवं नगरीय मामले विभाग के संयुक्त सचिव सुश्री रूपा मिश्रा, छत्तीसगढ़ के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के सचिव अलरमेल मंगई डी, सूडा के सीईओ सौमिलरंजन चौबे सहित अन्य अधिकारी, स्वच्छता दीदीयां सहित नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के अधिकारियों एवं नगरीय निकाय के पदाधिकारी शामिल हुए। कार्यक्रम में स्वच्छता दीदियों का सम्मान मंत्री डॉ. डहरिया द्वारा किया गया।

हमारा छत्तीसगढ़ देश का स्वच्छतम राज्य के साथ ही सर्वप्रथम ओडीएफ प्लस प्लस राज्य बना

डॉ. डहरिया ने कहा कि आम नागरिकों की स्वच्छता संबंधी शिकायतों को 24 घंटे के अंदर निपटान के लिए टोल फ्री नंबर 1100 दिया गया। गूगल से सभी सार्वजनिक एवं सामुदायिक शौचालयों को जोड़ा गया ताकि लोग अपने आसपास के शौचालय को फोन पर ही सर्च कर सकें। घर-घर से सूखे और गीले कचरे का कलेक्शन कर राज्य के सभी शहरों में प्रोसेसिंग प्लांट में 100 प्रतिशत कचरे की प्रोसेसिंग द्वारा हमने कचरा मुक्त शहर बनाने की दिशा में अभिनव कार्य किया है। साथ ही 150 से अधिक कचरे की खुली डम्प साइट को खत्म कर वहां उद्यान और हरियाली का विकास किया है। राज्य में सभी नगरीय निकाय सेप्टिक टैंक के पानी का उपचार करते हैं। इस कारण हमारा छत्तीसगढ़ देश का स्वच्छतम राज्य के साथ ही सर्वप्रथम ओडीएफ प्लस प्लस राज्य बना है। इस प्रकार नरवा, गरवा, घुरवा, बाड़ी की परंपरागत तरीके से कार्य करने वाले छत्तीसगढ़ का स्वच्छता मॉडल अब देश का सबसे प्रख्यात मॉडल बन गया है। अब लोग गुजरात मॉडल के स्थान पर छत्तीसगढ़ मॉडल की चर्चा करते हैं, जो छत्तीसगढ़वासियों के लिए गर्व का विषय है। इस प्रकार इन सभी प्रयासों से ही हम लगातार 3 बार देश के सबसे स्वच्छतम राज्य बने है। गोधन न्याय योजना से सफाई और आमदनी दोनों बढ़ी है। राज्य में जैविक खाद का उपयोग बढ़ा है। इससे राज्य की भूमि की उपजाऊ क्षमता में भी वृद्धि देखी गई है। शहरों में कुल उत्पादित लगभग 5 लाख क्विंटल कम्पोस्ट में से लगभग 2 लाख क्विंटल कम्पोस्ट विक्रय की गई एवं खाद विक्रय से लगभग 11 करोड़ रूपए की आय प्राप्त हुई है।

आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय के सचिव ने देखा तेलीबांधा तालाब शुद्धिकरण का जैविक मॉडल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय भारत सरकार के सचिव मनोज जोशी ने आज रायपुर स्मार्ट सिटी लिमि. द्वारा तेलीबांधा तालाब में संचालित तालाब शुद्धिकरण के जैविक मॉडल संयंत्र का अवलोकन किया। रायपुर स्मार्ट सिटी लिमि. के प्रबंध संचालक अभिजीत सिंह ने तेलीबांधा में भेल एवं नीरी के सहयोग से जैविक पद्धति से जल शोधन प्रणाली की जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर नगरीय प्रशासन की सचिव अलरमेल मंगई डी, भारत सरकार के संयुक्त सचिव हेमंत कुमार पटेल, कलेक्टर सौरभ कुमार, कमिश्नर प्रभात मलिक, रायपुर स्मार्ट सिटी लिमि. के अतिरिक्त प्रबंध संचालक चंद्रकांत वर्मा साथ थे।

तालाब शुद्धिकरण के इस जैविक मॉडल के तहत विशेष वनस्पतियों के सहयोग से जल शोधित कर तेलीबांधा तालाब में प्रवाहित किया जाता है। इस तालाब को आकर्षक स्वरूप देकर इसका सौंदर्यीकरण भी किया गया है। तेलीबांधा तालाब के किनारे बीएसयूपी फेस-2 योजना के अंतर्गत 640 आवास निर्मित कर तालाब किनारे की 3 स्लम बस्तियों के निवासियों का व्यवस्थापन भी नगर निगम द्वारा किया गया है। मोनोलिथिक पद्धति से 640 आवास निर्मित कर यहां बोरियाकला से 640 परिवारों को पुर्नव्यवस्थापित किया गया है।

नगर निगम आयुक्त प्रभात मलिक ने बताया कि तेलीबांधा तालाब के संचालन व रख रखाव हेतु पीपीपी मोड पर रिक्रिएशन गार्डन एवं फूड जोन निर्मित किया गया है। इससे नगर निगम को राजस्व की प्राप्ति होगी तथा आम लोगों को मिनी थिएटर नामचीन फूडकोर्ट, योगा, मेडिटेशन सेंटर, गार्डन लॉन, एम्फी थिएटर का लाभ मिलेगा।

रायपुर प्रवास के दौरान सचिव जोशी नगर निगम व एनयूएलएम के सहयोग से संचालित मिलेट फूड शॉप जोरन के महिला हितग्राहियों से भी मिले एवं उनके व्यवसाय से अर्जित आय, प्राप्त सहायता, विक्रय व्यवस्था आदि के संबंध में जानकारी ली।

नवा रायपुर राजधानी परियोजना प्रभावित किसानों को पात्रतानुसार 7 मार्च से प्रारंभ होगा पट्टों का वितरण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण द्वारा प्रभावित किसानों को पात्रतानुसार 1200 से 2500 वर्गफीट आवासीय पट्टा वितरण की कार्यवाही 7 मार्च से शुरू की जा रही है। प्राधिकरण के संचालक मण्डल की 25 फरवरी को आयोजित 69वीं बैठक में शासन द्वारा गठित मंत्रीमंडलीय समिति द्वारा की गई 6 प्रमुख सिफारिशों को मान्य करते हुए उन पर अमल करने का आदेश जारी किया गया है।

नई राजधानी परियोजना प्रभावित किसान कल्याण समिति की मांगों के संबंध में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा गठित मंत्रीमण्डलीय समिति द्वारा की गई सिफारिशों को मान्य करते हुए नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण के संचालक मंडल ने किसानों के हित में 06 बिन्दुओं पर अमल करते हुए आदेश जारी किए गए हैं, इनमें प्रमुख रूप से आवासीय पट्टा वितरण, पात्रतानुसार 1200 से 2500 वर्गफीट आवासीय भूमि का आबंटन, शासकीय भूमि पर कब्जा जहां पर है वहीं दिया जाना, जिसके लिए विलेज डेव्हलपमेंट प्लान के क्रियान्वयन की शर्त को शिथिल करने की सहमति शामिल है। इसी प्रकार संचालक मण्डल द्वारा किसानों के पक्ष में ऑडिट आपत्तियों के निराकरण हेतु सिंचित एवं असिंचित भूमि के संबंध में पटवारी दस्तावेज एवं वृक्षों के संबंध में वनपाल की रिपोर्ट को प्रमाण मानकर आपत्तियों का निराकरण किये जाने का निर्णय लिया गया है। संचालक मण्डल द्वारा यह भी निर्णय लिया गया कि विभिन्न सेवाओं हेतु एनआरएएनव्हीपी द्वारा की जाने वाली आगामी निविदाओं में 60 प्रतिशत कर्मचारी प्रभावित ग्राम से हो, यह शर्त जोड़ने की सहमति दी गई है। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि नया रायपुर अटल नगर के विभिन्न सेक्टर्स में निर्मित 75 प्रतिशत दुकान, गुमटी चबूतरा एवं हॉल का आबंटन लागत मूल्य पर आवेदन आमंत्रित कर लाटरी के माध्यम से परियोजना प्रभावित परिवारों को किया जायेगा। नवा रायपुर अटल नगर के लेयर-11 के ग्रामों में जमीन की खरीदी-बिक्री के लिए अनुमति की आवश्यकताओं से मुक्त करने की भी अनुशंसा की गई है। यह सभी प्रक्रिया आगामी तीन माह में पूर्ण करने के निर्देश दिये गये हैं।

एनआरएएनव्हीपी द्वारा पट्टा वितरण प्रारंभ करने की संभावित तिथि भी निर्धारित की गई है, जिसके अनुसार 7 मार्च को कयाबांधा में, 11 मार्च को नवागांव (खपरी), 16 मार्च को राखी, 22 मार्च को झांझ, 25 मार्च को खपरी, 31 मार्च को कोटराभांठा, 4 अप्रैल को रीको, 8 अप्रैल को चीचा, 13 अप्रैल को सेंध, 19 अप्रैल को छतौना, 25 अप्रैल को नवागांव (खुटेरा), 29 अप्रैल को तूता और 4 मई को उपरवारा में पट्टा वितरण प्रारंभ किया जाएगा।

मसाले की खेती में पल्वराइजर का लगा तड़का, दोगुनी आमदनी से बढ़ा खुशहाली का स्वाद

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। शासकीय मदद पर आधी कीमत में मिली पल्वराइजर मशीनों ने रायपुर जिले के 70 से अधिक मसाला उत्पादक किसानों की आय में दोगुनी आमदनी का तड़का लगा दिया है। किसानों की आय बढ़ने से उनके परिवार सहित जीवन में भी खुशहाली का स्वाद आ गया है। पहले तो राज्य के उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों ने इन किसानों को हल्दी, मिर्च, धनिया जैसे दैनिक उपयोग के मसालों की खेती के लिए प्रोत्साहित किया। उन्हें इन मसालों की खेती के लिए शासकीय योजनाओं से हर संभव मदद तथा मार्गदर्शन दिया गया। फसल उत्पादन अच्छा रहा परंतु खड़े मसाले को थोक के भाव बेचने से किसानों को अपेक्षित लाभ नहीं मिल पा रहा था।

मसालों की खेती करने वाले किसानों को उनकी उपज का अधिक से अधिक लाभ दिलाने के लिए फिर उद्यानिकी विभाग ने मसालों की प्रोसेसिंग की योजना बनाई। राज्य शासन की लघु एवं सूक्ष्म प्रोसेसिंग यूनिट को प्रोत्साहन देने की योजना के तहत इन किसानों को मसाला प्रसंस्करण के लिए पल्वराईजर मशीनें शासकीय सहायता पर दी गई। अब यह 70 किसान अपने खेतों में उगाई हल्दी, मिर्च, धनिया को पीसकर बेहतर प्रोसेसिंग के बाद स्थानीय बाजार में दोगुने से अधिक दामों पर बेच रहे हैं। थोक व्यापारी भी अब सीधे इन किसानों तक पहुंचने लगे और प्रोसेस्ड मसालों को सीधे किसानों की यूनिट से ही खरीद रहे हैं।

रायपुर जिला के धरसीवां विकासखंड के ग्राम मंगसा निवासी किसान अजय कुमार वर्मा के पास 7 हेक्टेयर से अधिक जमीन है। वे इस भूमि पर हल्दी, मिर्च, धनिया जैसी मसाला फसलों की खेती करते है। श्री वर्मा बताते है कि उन्हें 50 प्रतिशत छूट पर लघु प्रसंस्करण संयंत्र पल्वराइजर मिला है। इस मशीन की वास्तविक लागत एक लाख 20 हजार रूपये है जो आधी सरकारी छूट पर उन्हें केवल साठ हजार रूपये में मिल गई है।

श्री वर्मा ने बताया कि लगभग पांच एकड़ खेत में हल्दी का फसल लगाई थी। उन्हें प्रति एकड़ में 12 से 15 क्विंटल हल्दी का उत्पादन मिला है। उन्होंने बताया कि पहले वे हल्दी को 60 रूपये प्रति किलो के हिसाब से थोक बाजार में बेच देते थे। सरकारी मदद पर उद्यानिकी विभाग से पल्वराइजर मशीन मिलने के बाद अब हल्दी को सूखाकर पिसाई कर थोक में एक सौ रूपये प्रति किलो एवं स्थानीय बाजार में फुटकर रूप से एक सौ बीस रूपये प्रति किलो में बेचते है। श्री वर्मा ने बताया कि मशीन से पिसाई के बाद हल्दी का दाम दोगुना हो गया है। इससे उन्हें डबल मुनाफा हो रहा है। उन्होंने बताया कि गांव में और भी किसान उन्हीं की तरह हल्दी, मिर्च, धनिया की पिसाई कर थोक बाजार में बेचकर मुनाफा कमाया रहें है।

श्री वर्मा ने अपने खेत में हरी मिर्च और धनिया भी लगाई थी। उनके खेत में प्रति एकड़ लगभग 4 से 5 क्विंटल मिर्च का उत्पादन हुआ है। लोकल बाजार में हरी मिर्च की अधिकतम कीमत 50 से 60 रूपये किलो थी। इसी मिर्च को सूखाकर पल्वराइजर मशीन में पीसने के बाद उन्होंने उसे 180 रूपये किलो की दर से बेचा है। जिससे उन्हें कच्ची मिर्ची की तुलना में पिसी मिर्च से 4-5 गुना अधिक आमदनी हुई है। इसी तरह श्री वर्मा ने एक एकड़ में 3 क्विंटल से अधिक धनिया की पैदावार ली है। पहले धनिया की कीमत 80 से 100 रूपये प्रति किलो थी, लेकिन पल्वराइजर मशीन मिलने के बाद वही धनिया पीसकर दुगुने कीमत में बेचकर लाभ कमा रहे है।

श्री वर्मा ने बताया कि उद्यानिकी विभाग की योजना से मसाला प्रसंस्करण कर उनकी आय 2 गुना से भी ज्यादा बढ़ गई है तथा उनकी आर्थिक स्थिति तेजी से और बेहतर होती जा रही है। उद्यानिकी विभाग के उप संचालक ने बताया कि जिले में अब तक 70 से अधिक किसानों को सरकारी अनुदान पर पल्वराइजर मशीन दी गई है। पल्वराइजर मशीन का उपयोग ठोस पदार्थों को चूर्ण बनाने के लिए किया जाता है। जिले के धरसीवां और आरंग विकासखण्डों में 17-17, तिल्दा और अभनपुर विकासखण्ड में 18-18 किसानों को 50 प्रतिशत अनुदान पर पल्वराइजर मशीनों का वितरण किया गया है। मसाला उत्पादक किसान इन मशीनों से मसालों को पीसकर ऊंचे दामों पर थोक और स्थानीय बाजार में बेच रहे है।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान

खास खबर

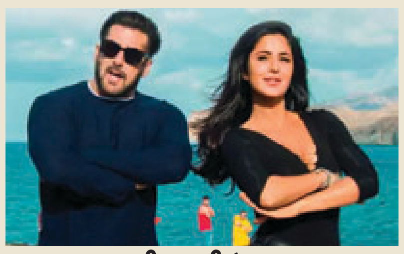

सलमान कटरीना की 'टाइगर 3' 21 अप्रैल को सिनेमाघरों में होगी रिलीज

सलमान खान और कटरीना कैफ स्टारर टाइगर 3 की रिलीज डेट के साथ फिल्म से दोनो का लुक भी आउट कर दिया गया है। टाइगर 3 21 अप्रैल 2023 को सिनेमाघरो में रिलीज होगी। इस बात की जानकारी कटरीना ने खुद अपने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर फैंस को दी है। उन्होंने लिखा, टाइगर और जोया एक बार फिर ईद 2023 को आएंगे। फिल्म हिंदी, तमिल और तेलुगु में रिलीज होगी। टाइगर 3 को मनीष शर्मा डायरेक्ट कर रहे हैं।

पवन कल्याण की 'भीमला नायक' का हिंदी ट्रेलर आउट

साउथ के सुपरस्टार पवन कल्याण स्टारर 'भीमला नायक' का हिंदी ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है। इस बात की जानकारी फिल्म ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने पोस्ट शेयर कर दी है। यह फिल्म जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होगी, अभी तक इसकी डेट तय नहीं हुई है। 'भीमला नायक' इसके पहले 25 फरवरी को तमिल और तेलुगु में रिलीज हुई थी। फिल्म ने ओपनिंग डे में 61 करोड़ की कमाई की थी। इस फिल्म में पवन कल्याण के अलावा राणा दग्गुबती भी हैं।

'इंडिया गॉट टैलेंट' में शिल्पा शेट्टी ने फोड़ी रोहित शेट्टी के हाथ पर बोतल, बोलीं- मुझे फिल्म चाहिए

'इंडिया गॉट टैलेंट' का हाल ही में एक प्रोमो रिलीज हुआ है, जिसमें इस हफ्ते फिल्ममेकर रोहित शेट्टी बतौर गेस्ट नजर आएंगे। अब शिल्पा शेट्टी ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वो काफी गुस्से में नजर आईं। शिल्पा पहले रोहित को बुलाती हैं, लेकिन वो बादशाह से बात करते हुए बिजी दिखते हैं। जब काफी बुलाने पर भी रोहित नहीं सुनते हैं तो शिल्पा हाथ में कांच की बोतल पकड़ती हैं और रोहित के हाथ पर फोड़ देती हैं। ये देख हर कोई हैरान हो जाता है और वहीं रोहित के मुंह से अचानक निकल जाता है, पागल है क्या? बोतल फोड़ने के बाद शिल्पा जोर-जोर से चिल्लाने लगती हैं और कहती हैं, मुझे फिल्म चाहिए।

तेजस्वी प्रकाश और करण कुंद्रा का पहला सॉन्ग हुआ रिलीज

बिग बॉस फेम तेजस्वी प्रकाश और करण कुंद्रा का पहला गाना 'रुला देती है' रिलीज हो चुका है। इस गाने में करण, तेजस्वी को याद करते हुए नजर आ रहे हैं। फैन्स को उनका ये गाना खूब पसंद आ रहा है। फैन्स दोनों की केमिस्ट्री को देखने के बाद गाने के वीडियो पर अपनी खुशी व्यक्त करते हैं और दोनों की खूब तारीफ कर रहे हैं।

रुबीना दिलाइक ने शेयर की ग्लैमरस फोटो, लिखा- नाम एक, रूप अनेक

बिग बॉस 14 की विनर रुबीना दिलाइक ने हाल ही में सोशल मीडिया पर अपनी कुछ ग्लैमरस फोटो शेयर कीं हैं। फोटोज में रुबीना मजेंटा और गोल्डन कलर के ब्लाउज में नजर आ रही हैं, जिसके साथ उन्होंने श्रग पहना हुआ है। रुबीना ने फोटो के कैप्शन में लिखा, नाम एक, रूप अनेक। फैन्स से लेकर सेलेब्स तक रुबीना की फोटो को पसंद कर रहे हैं और खूब प्यार बरसाया।

सलमान खान स्टारर 'कभी ईद कभी दिवाली' 30 दिसंबर को होगी रिलीज

सलमान खान स्टारर फिल्म 'कभी ईद कभी दिवाली' की नई डेट का अनाउंसमेंट हो गया है। यह फिल्म अब 30 दिसंबर 2022 को रिलीज होगी। इस बात की जानकारी फिल्म ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने सोशल मीडिया पोस्ट शेयर कर दी है। 'कभी ईद कभी दिवाली' में सलमान खान के अलावा पूजा हेगड़े, कृति सेनन और आयुष शर्मा भी नजर आएंगे। इस फिल्म को फरहाद शामजी कर रहे हैं, वहीं साजिद नाडियाडवाला प्रोड्यूस कर रहे हैं।

आम्रपाली का नया गाना 'होलिया में लागे बड़ी डर' हुआ रिलीज

भोजपुरी इंडस्ट्री की सुपरस्टार एक्ट्रेस आम्रपाली दुबे का नाम अक्सर सुर्खियों में रहता है. उनका नाम अक्सर दिनेश लाल यादव 'निरहुआ' से जोड़ा जाता है. कहा जा रहा है कि दोनों एक-दूसरे से बेहद प्यार करते हैं, जिसका प्रूफ आए दिन सोशल मीडिया पर देखने को मिल ही जाता है. दोनों की नजदीकी के बारे में भोजपुरी इंडस्ट्री के अलावा उनके फैंस को भी पता है. आए दिन वो कोई न कोई तस्वीर सोशल मीडिया पर शेयर करती रहती हैं. निरहुआ भी उनके साथ रहकर बेहद खुश नजर आते हैं. लेकिन इसी बीच आम्रपाली का एक नया म्यूजिक वीडियो रिलीज किया गया है. ये म्यूजिक वीडियो होली को लेकर बनाया गया है.

आदित्य नारायण बने पापा, सिंगर की पत्नी श्वेता ने बेटी को दिया जन्म

सिंगर और हॉस्ट आदित्य नारायण के घर एक खुशखबरी आई है। आदित्य नारायण की पत्नी श्वेता अग्रवाल प्रेग्नेंट थीं और अब श्वेता ने एक नन्ही परी को जन्म दिया है। आदित्य और श्वेता माता-पिता बन गए हैं। श्वेता ने एक प्यारी बेटी को जन्म दिया है। हालांकि, श्वेता और आदित्य 24 फरवरी को ही माता-पिता बन गए थे लेकिन उन्होंने अपनी बेटी की तस्वीर शेयर कर ये गुडन्यूज फैंस के साथ साझा नहीं की। हाल ही में, आदित्य ने एक इंटरव्यू दिया है, जिसमें सिंगर ये गुडन्यूज फैंस को दी है। इस इंटरव्यू में आदित्य ने कहा कि वह हमेशा से चाहते थे कि उन्हें एक बेटी ही हो।

आदित्य नारायण ने 'बॉम्बे टाइम्स' को एक इंटरव्यू दिया है, जिसमें सिंगर ने बताया कि कई लोगों ने मुझे कहा था कि बेटा होगा। लेकिन मैं हमेशा से ही उम्मीद करता आ रहा था कि मेरी एक बेटी हो। बेटियां अपने पिता के सबसे ज्यादा करीब होती हैं और मैं बहुत खुश हूं कि मेरे घर नन्ही परी आई है। माता-पिता बनकर श्वेता और मैं बहुत खुश है। इसके आगे आदित्य नारायण ने बताया कि मैं डिलीवरी के समय श्वेता के साथ ही था। तब श्वेता को देखकर मुझे महसूस हुआ कि महिलाएं एक बच्चे को इस दुनिया में लाने के लिए कितनी हिम्मत दिखाती हैं। मेरी श्वेता के लिए रिस्पेक्ट और प्यार कई गुना बढ़ गया है। जब एक महिला बच्चे को जन्म देती है तो कई चीजों का सामना करती हूं। प्रेग्नेंसी के दौरान भी महिलाओं को कई चीजों का सामना करना होता है।

आदित्य म्यूजिक परिवार से हैं और इसी वजह से उन्होंने अपनी बेटी के लिए गाना गाना अभी से शुरू कर दिया। ये बात सिंगर ने बताई है। उन्होंने इंटरव्यू में कहा कि मैं अभी से ही उसके लिए गाना गाता हूं। म्यूजिक उसके डीएनए में है। मेरी बहन ने उसे एक छोटा म्यूजिक प्लेयर गिफ्ट किया है। इस प्लेयर में नर्सरी राइम और आध्यात्मिक चीजें बजती है। उसकी म्यूजिक जर्नी अभी से शुरू हो गई।

बता दें कि आदित्य नारायण और श्वेता ने एक दूसरे को 11 साल तक डेट किया है और फिर दोनों ने साल 2020 में शादी रचाई थी। दोनों की शादी कुछ करीबी लोगों के बीच पूरी हुई थी। वहीं अब दोनों ने अपने पहले बच्चे का स्वागत किया है, जिससे वह बहुत खुश हैं।

फिल्म मैं दिया तैं मोर बाती सिनेमाघरों में हुआ रिलीज

निर्माता पवन तातेड़ और निर्देशक अभिषेक सिंह की बहुप्रतीक्षित फिल्म मैं दिया तैं मोर बाती आज 40 थियेटरों में एक साथ रिलीज हुई। आपको बता दें कि इससे पहले अभिषेक सिंह ने छत्तीसगढ़ी सुपर हिट फिल्म दबंग दरोगा निर्देशित की है। वहीं फिल्म के वितरक तरुण सोनी ने बताया कि फिल्म के गाने एवं ट्रेलर को जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है। दर्शकों में फिल्म प्रदर्शन को लेकर काफी उत्साह बना हुआ है। टॉकीज मालिकों के रिस्पॉन्स को देखते हुए निर्माता ने रायपुर श्याम सिनेमा सहित 40 सिनेमाघरों व मल्टीप्लेक्स में लगाने का निर्णय किया। इस फिल्म में मुख्य कलाकार दिलेश साहू और अनिकृति चौहान हैं। सभी गाने गाना एसआरके म्यूजिक सीजी चैनल में जारी किया गया, जो बहुत पॉपुलर हो रहा है। उन्होंने बताया कि संगीत सुनील सोनी का है। पहला गाना चिकारा -चिकारा एस आर के म्यूजिक सीजी चैनल में जारी किया गया, जो लोगों के जुबान में बहुत पॉपुलर हो रहा है। फिल्म व गाने में अनिकृति-दिलेश की केमेस्ट्री खूब जम रही है। आपको बता दें कि फिल्म को मनीष मानिकपुरी ने एडिट और प्रवीर दास ने वीएफएक्स किया है। फिल्म कोरिओग्राफी निशांत उपाध्याय एवं चन्दन दीप ने की है और कैमरे में कमल दिखाया है सिद्धार्थ सिंह व रजत सिंह ने। मैं दिया तैं मोर बाती में अनिल शर्मा, रजनीश झांझी, उर्वशी साहू, संतोष निषाद, निशांत उपाध्याय, अंशुल अवस्थी, राशि पांडे, नकुल महलवार, अंजली चौहान, और टिंकू जिया, राजू नगारची व अमित सिंह भी नजर आएंगे । इसमें डायरेक्शन टीम में अभिषेक सिंह का सहयोग कौशल उपाध्याय, अनुपमा मनहर ने किया है।

दिवंगत गायक बप्पी दा की अस्थियां गंगा में प्रवाहित, परिवार ने रखी प्रार्थना सभा

बॉलीवुड के डिस्को किंग दिवंगत बप्पी लाहिड़ी की अस्थियों को गंगा नदी में प्रवाहित कर दिया गया। पीटीआई द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक बप्पी दा के बेटे बप्पा लाहिड़ी, पत्नी चित्रानी और बेटी रेमा लाहिड़ी ने प्रसिद्ध संगीत निर्देशक और गायक की अस्थियों को कोलकाता के आउट्राम घाट पर निधन के 16 दिनों बाद विसर्जित किया है।

परिवार के सदस्यों ने सुसज्जित कार में दिवंगत गायक की अस्थियां घाट तक लाईं और पुजारी द्वारा 'मंत्र' (प्रार्थना) के जाप के बीच धार्मिक अनुष्ठान किया। इस दौरान परिवार की मदद के लिए राज्य की ओर से पश्चिम बंगाल के मंत्री सुजीत बोस भी मौजूद थे। दिवंगत संगीतकार की पत्नी चित्राणी लाहिड़ी, बेटा बप्पा लाहिड़ी और परिवार के अन्य सदस्य डिस्को किंग को श्रद्धांजलि देने के लिए कोलकाता पहुंचे थे। बता दें कि बप्पी के पिता अपरेश लाहिड़ी की अस्थियों को भी नदी में विसर्जित किया गया था।

बताते चले कि भारत में 80 और 90 के दशक में सिनेमा में डिस्को संगीत को लोकप्रिय बनाने वाले गायक-संगीतकार बप्पी लाहिड़ी का 15 फरवरी को निधन हो गया था। दिवंगत गायक ने जुहू स्थित क्रिटिकेयर हॉस्पिटल में अंतिम सांस ली थी। जानकारी के मुताबिक बप्पी दा करीब एक महीने से अस्पताल में भर्ती थे। बप्पी 'दा' जैसा कि उन्हें बॉलीवुड में उनके अधिकांश सहयोगियों द्वारा बुलाया जाता था, 1980 के दशक में हिंदी फिल्म संगीत की दुनिया में आए और अपने डिस्को नंबरों के साथ उस युग के किशोर भारतीयों के बीच प्रसिद्ध हो गए। पूर्व सोवियत संघ और कई एशियाई देशों में भी उनका संगीत काफी प्रसिद्ध था।

माधुरी दीक्षित ने चलाया आस्क मी एनीथिंग सेशन, शाहरुख के साथ अपनी फिल्म 'दिल तो पागल हैं' को बताया बेहतरीन

अभिनेत्री माधुरी दीक्षित नेने इन दिनों अपनी हाल ही में रिलीज हुई सीरीज 'फेम गेम' की शानदार सफलता का आनंद ले रही हैं। इसका जश्न मनाने के लिए माधुरी ने अपने फैंस के साथ ट्विटर पर 'आस्क मी एनीथिंग' सेशन शुरु किया। इस दौरान उन्होंने अपने को-स्टार शाहरुख खान के बारे में एक सवाल का जवाब दिया। एक फैन ने उनसे पूछा, 'शाहरुख खान के साथ आपकी सबसे अच्छी फिल्म?' माधुरी ने जवाब दिया, 'दिल तो पागल है' इस फिल्म में माधुरी और शाहरुख की केमिस्ट्री की खूब तारीफ हुई थी और आज भी दोनों को इस फिल्म के लिए याद किया जाता है।

इस फिल्म में करिश्मा कपूर ने भी अहम भूमिका निभाई थी। फिल्म में अक्षय कुमार भी एक कैमियो रोल करते नजर आए थे। एक अन्य फैन ने उनसे पूछा कि उनका पसंदीदा सुपरहीरो कौन है, तो उन्होंने जवाब दिया, 'टोनी स्टार्क।' उन्होंने डांस और एक्टिंग के बीच चुनाव करने के बारे में एक सवाल का भी जवाब दिया। उन्होंने कहा, 'दोनों एक दूसरे के बिना अधूरे हैं।'

हाल ही में माधुरी ने मीडिया के सामने अपने स्टारडम के बारे में बात की। उनसे सवाल किया गया कि उनका स्टारडम उनके निजी जीवन को कैसे प्रभावित करता है। माधुरी ने कहा मैं इसे एक पेशे के रुप में देखती हूं। उन्होंने कहा जब मैं कैमरे के सामने होती हूं तो एक अभिनेत्री होती हूं और जब वापस घर जाती हूं तो एक सामान्य इंसान बन जाती हूं।

माधुरी दीक्षित ने हाल ही में द फेम गेम से डिजिटल डेब्यू किया है। इसमें माधुरी का एक डांस नंबर दुपट्टा मेरा भी है। गाने में माधुरी बैकग्राउंड डांसर्स के साथ लाल लहंगे में किया है। डांस नंबर में माधुरी का दिलकश अंदाज देखने को मिला।

बॉलीवुड की इन बायोपिक में बदले गए तथ्य

ड्रामा भरकर दर्शकों को बनाया गया बेवकूफ

बॉलीवुड में बायोपिक फिल्म बनाने का दौर चल पड़ा है। नीरजा भनोट से लेकर सिल्क स्मिता की जिंदगी पर बायोपिक बन चुकी है। कई बायोपिक आईं और बॉक्स ऑफिस पर धाराशायी हो गईं। वहीं एक दौर आया, जब बायोपिक फिल्मों को दर्शकों ने खूब प्यार दिया। हालांकि, ये फिल्में किसी के जीवन पर आधारित कितनी फीसदी सच्चाई बयां करती हैं, कहना मुश्किल होगा लेकिन आज हम आपको उन बायोपिक फिल्मों के बारे में बताते हैं, जिसमें रियल और रील लाइफ को बिल्कुल अलग रखा गया। इन फिल्मों के तथ्य बदले जाने पर दर्शकों ने खुद को ठगा महसूस किया।

द डर्टी पिक्चर

फिल्म द 'डर्टी पिक्चर' साउथ एक्ट्रेस सिल्क स्मिता के जीवन पर बनी थी। फिल्म में विद्या बालन और नसीरुद्दीन शाह ने बेहतरीन अभिनय किया था। फिल्म में सिल्क स्मिता के जीवन के सभी पहलू को छूने की कोशिश की गई। हालांकि, एक बड़े तथ्य को बदल दिया गया। फिल्म के अंत में सिल्क स्मिता नींद की गोलियां खाकर आत्महत्या कर लेती हैं लेकिन रियल में स्मिता ने फांसी लगाकर खुदकुशी की थी।

मैरी कॉम

मैरी कॉम ने एक इंटरव्यू में कहा था कि फिल्म मैरीकॉम में काफी हद तक ड्रामा रखा गया है। फिल्म में दिखाया गया कि मैरी कॉम पैसे के लिए स्ट्रीट बॉक्सिंग करती थीं लेकिन असल में वह एक बार ही स्ट्रीट बॉक्सिंग में लड़ी थीं। उन्होंने कभी पैसों के लिए लड़ाई नहीं की थी। फिल्म में दिखाया गया है कि उनके पिता बॉक्सिंग के सख्त खिलाफ थे लेकिन हकीकत में उनके पिता ने उनका काफी हद तक समर्थन किया। जब उनके बेटे का ऑपरेशन किया जा रहा था, मैरी कॉम कभी बॉक्सिंग रिंग में नहीं थीं। फिल्म में टीआरपी के लिए सीन को काल्पनिक रखा गया।

उरी-द सर्जिकल स्ट्राइक

उरी में एक गरुड़ नाम की डिवाइस दिखाई गई है। डिवाइस को एक डीआरडो इंटर्न ने बनाई थी। गरुड़ में कैमरा, जीपीएस लगा हुआ था। फैक्टस यह है कि उरी का सर्जिकल स्ट्राइक 2016 में हुआ था। वहीं जो फिल्म में डिवाइस दिखाई गई, उसका निर्माण 2017 में कनाडा की एक कंपनी ने किया था। कंपनी ने खेत से चिड़ियों को भगाने और फसल की सुरक्षा के लिए बनाया था।

एयरलिफ्ट

एयरलिफ्ट में सच्चाई कम और फिक्शन ज्यादा है। कुवैत में जब संकट छाया तो विदेश मंत्री इंद्र कुमार गुजराल ने ईरान में फंसे भारतीयों से बात की और उन्होंने इतिहास में सबसे बड़े एयरलिफ्ट करवाया। फिल्म में दिखाया गया कि इराक की सीमा बंद हो गई थी लेकिन जॉर्डन ने कभी भी इराक के साथ अपनी सीमाओं को बंद नहीं किया था। कहा जाता है कि इराकियों ने भारतीयों को जानबूझकर कोई चोट नहीं पहुंचाई थी। फिल्म में इराक में भारतीयों पर जुल्म को बताया गया है।

विज्ञापन के लिए संपर्क करें :- 9303289950, 9827806026, 8962815243

● जीन्स
● टी-शर्ट
● शर्ट
● ट्राउजर
भारत जींस
जवाहर मार्केट, पावर हाउस, भिलाई

Hotel Shiv Prabha Inn. & Town King
The Family Restaurant
46-C Market, Near Sapana Talkies & Hotel Apana Keshari Lodge, Power House, Bhilai, Distt.-Durg (C.G.)
9893215251, 8966981590
Email.: ranjanaguptakeshari@gmail.com

श्री सांई जींस कॉर्नर
ओम सांई कलेक्शन
■ मेन्स वेयर ■ किड्स वेयर
■ लेडिस वेयर ■ वेडिंग कलेक्शन
9827115003, 9806303000
जवाहर मार्केट, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई

मोमोस नास्ता सेंटर...
थापा शुद्ध मोमोस सेंटर
	फुल	हाफ
वेज मोमोस	40/-	20/-
मनचुरियन मोमोस	50/-	30/-
पनीर मोमोस	60/-	30/-

मोमोस-10, 20 और 30 रु. का भी मिलता है। शुद्ध बिना ऑयल का बना
मो.-9977690915, 7898349602
सर्कुलर मार्केट, पावर हाउस, भिलाई

नाकोड़ा साड़ी सेंटर
एक्सक्लूसिव साड़ी शोरुम
फैंसी साड़ी, वैवाहिक साड़ियां
डिजाईनर साड़ियां एवं
सलवार सूट, लांचा
जवाहर मार्केट, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई

प्रमोद इंटरप्राइजेस
गेंहू, चांवल एवं दाल के थोक विक्रेता
लिंक रोड, केम्प-2, भिलाई-दुर्ग
फोन: 0788-2225449, 93290-13017

खास खबर

विद्यार्थी के परिजनों को 8 लाख रूपए की सहायता राशि मिली

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ छात्र सुरक्षा बीमा योजना अंतर्गत शासकीय एवं अनुदान प्राप्त स्कूलों तथा महाविद्यालयों में अध्ययनरत नियमित विद्यार्थियों की दुर्घटना उपरांत मृत्यु अथवा अपंगता होने पर दावा राशि का भुगतान किया जाता है। जिसके अंतर्गत जिले के 8 विद्यार्थियों की दुर्घटना उपरांत मृत्यु होने पर उनके परिजनों को कुल 8 लाख रूपए की राशि उपलब्ध कराई गई है। प्रत्येक परिजनों को 1 लाख रूपए की सहायता राशि दी गई। डोंगरगांव विकासखंड अंतर्गत शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला घोरदा कक्षा सातवीं के छात्र सौरभ कुमार साहू एवं शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला गिरगांव कक्षा सातवीं की छात्रा कुमारी रेशमा सिन्हा, राजनांदगांव विकासखंड अंतर्गत शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला कांकेतरा कक्षा सातवीं के छात्र अमित कुमार ढीमर एवं शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला मोंहदी कक्षा आठवीं की छात्रा कुमारी पूनम साहू, खैरागढ़ विकासखंड अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला पांडादाह कक्षा ग्यारहवीं के छात्र लव कुमार,अम्बागढ़ चौकी अंतर्गत शासकीय प्राथमिक शाला अम्बागढ़ चौकी कक्षा छठवीं के वर्षा निषाद की दुर्घटना उपरांत मृत्यु होने पर उनके परिजनों को 1 लाख रूपए की सहायता राशि उपलब्ध कराई गई है।

नि:शुल्क साइकिल वितरण

गरियाबंद। ग्रा पंचायय सड़क परसुली मे शासकीय उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय मे छात्राओं को सरस्वती साईकिल योजना अन्तर्गत छात्राओं को नि:शुल्क साईकिल वितरण किया गया, इस अवसर पर जनपद पंचायत के उपाध्यक्ष प्रवीण यादव उपस्थित रहे. राज्य शासन द्वारा पात्र सभी छात्राओं को नि:शुल्क सरस्वती साईकिल वितरण किया जाना है इसी कड़ी मे जनपद पंचायत गरियाबंद के उपाध्यक्ष प्रवीण यादव एवं सरपंच सुरेखा नागेश के हांथो वितरण किया गया। शा.हाई.स्कुल मदनपुर के प्राचार्य प्राचार्य मति एफ लकड़ा व्याख्याता रामकुमार ध्रुव,मति एन पचबीए,दीपक कुमार ,पी के यादव,एम के नाग, मति जी साहू, श्रीमती संध्या साहू, मोहित मोंगरे, देवेन्द्र वंजारी, मो0रजा आदि उपस्थित रहे। अपनी संबोधन मे उपाध्यक्ष ने छात्राओं को चल रहे बोर्ड परीक्षा की अच्छे से तैयारी करने हेतु आग्रह किया।

नए डाक संभाग बनने से लोगों को मिलेंगे कई सुविधाएं-श्रीमती रेणुका सिंह

प्रदेश के 7 वें डाक संभाग का हुआ उद्घाटन

श्रीकंचनपथ न्यूज

अम्बिकापुर। जनजातीय कार्य मंत्रालय के केंद्रीय राज्य मंत्री श्रीमती रेणुका सिंह के मुख्य आतिथ्य एवं छत्तीसगढ़ शासन के पंचयात एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री टी.एस. सिंहदेव की अध्यक्षता में गुरुवार को सरगुजा डाक संभाग के उद्घाटन समारोह संपन्न हुआ।

पुराना बस स्टैंड के समीप स्थित प्रधान डाकघर परिसर में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सहित अन्य अतिथियों के द्वारा उद्घाटन पट्टिका का अनावरण कर प्रदेश के 7 वें डाक संभाग के रूप में सरगुजा डाक संभाग का उद्घाटन किया गया।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए केंद्रीय राज्य मंत्री श्रीमती रेणुका सिंह ने कहा कि सरगुजा डाक संभाग का अस्तित्व में आना हम सबके लिए खुशी की बात है। नए डाक संभाग बनने से संभाग के अधिकारी-कर्मचारी तथा आम जनां को सहुलियत होगी।

उन्होंने कहा कि इससे पहले रायगढ़ डाक संभाग होने के कारण लोगो को लंबी दूरी की यात्रा कर रायगढ़ जाना पड़ता था जिससे समय और धन दोनो ज्यादा लगता था। अब सरगुजा डाक संभाग संचालित होना शुरू हो गया है। यह डाक संभाग आने वाले समय मे प्रदेश का सबसे अच्छा संभाग बनेगा और लोगों को अधिक से अधिक सुविधा देने का काम करेगा। उन्होंने कहा कि डाक विभाग हर आदमी के करीब है और अपना सर्वश्रेष्ठ देने का प्रयास करता है। कोरोना काल मे डाक विभाग ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अस्पतालों में दवाई, उपकरण से लेकर लोगों के घर-घर पैसा पहुँचाने का काम किया है।

श्रीमती सिंह ने कहा कि सरगुजा संभाग में विकास के कार्य लगातार विस्तारित हो रहे हैं। इसी कड़ी में मां महामाया एयरपोर्ट से शीघ्र हवाई सेवा शुरू हो होगी और हम सब हवाई यात्रा से बड़े शहरों को जा सकेंगे। उन्होंने मंत्री प्रतिनिधि एवं पार्षद श्री द्वितेन्द्र मिश्रा के आग्रह पर अम्बिकापुर जबलपुर ट्रेन में स्लीपर कोच लगवाने पहल करने का आश्वासन दिया। महापौर डॉ अजय तिर्की ने नए डॉक संभाग बनने पर बधाई देते हुए कहा कि अब लोगों को और सुविधा मिलेगी। शासन की योजनाओं का बेहतर ढंग से क्रियान्वयन हो सकेगा।

बताया गया कि सरगुजा डाक संभाग अंतर्गत सरगुजा, सूरजपुर, कोरिया एवं बलरामपुर-रामानुजगंज जिले शामिल हैं। संभाग अंतर्गत एक प्रधान डाक घर, 35 उप डाक घर तथा 305 शाखा डाक घर संचालित होंगे।

कार्यक्रम में मंत्री प्रतिनिधि एवं पार्षद द्वितेन्द्र मिश्रा, पार्षद आलोक दुबे, छत्तीसगढ़ डाक परिमंडल के पोस्ट मास्टर जनरल रामचन्द्र जायभाय, डाक अधीक्षक डीडी मुर्मु सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

युवाओं को सफलता हासिल करने मजबूत संकल्प के साथ कड़ी मेहनत की जरुरत - उपराष्ट्रपति

श्रीकंचनपथ न्यूज

विजयवाड़ा(पीआईबी)। उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडु ने आज युवाओं को प्रतिस्पर्धा का सामने करने और सफलता प्राप्त करने के लिए अपने चुने हुए क्षेत्रों में ज्ञान अर्जित करने और विशेषज्ञता हासिल करने के लिए मजबूत संकल्प के साथ कड़ी मेहनत करने की सलाह दी।

स्वर्ण भारत ट्रस्ट, विजयवाड़ा में विभिन्न व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए, उपराष्ट्रपति ने युवाओं से बड़े सपने देखने और अपने लक्ष्यों को हासिल करने के लिए व्यवस्थित तरीके से अनुशासन और समर्पण के साथ काम करने के लिए कहा।

उन्होंने कहा कि अकेले सरकार ही युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने में सक्षम नहीं होगी, उन्होंने निजी क्षेत्र और गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) से युवाओं को व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान करने और उन्हें स्वनियोजित बनाने या रोजगार प्राप्त करने में सक्षम बनाने के लिए आवश्यक कौशल प्रदान करके सशक्त बनाने का आह्वान किया। यह देखते हुए कि युवाओं की ऊर्जा को राष्ट्र निर्माण की दिशा में लगाना बहुत महत्वपूर्ण है, उपराष्ट्रपति ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी युवाओं को कुशल और सशक्त बनाने पर बहुत जोर दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि 'कुशल भारत' के विजन को हासिल करने के लिए सरकार द्वारा अलग से कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय की स्थापना की गई है। उपराष्ट्रपति ने प्रशिक्षुओं को महापुरुषों और महिलाओं के जीवन के बारे में पढ़ने और उनसे प्रेरणा लेने की भी सलाह दी।

इसके साथ ही, युवाओं को सही मूल्यों को अपनाना चाहिए और दूसरों के प्रति सहानुभूति विकसित करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि 'शेयर एंड केयर' की भावना भारतीय संस्कृति के मूल में है। भारतीय संस्कृति की रक्षा और संरक्षण की जरूरत पर जोर देते हुए नायडु ने युवाओं को अपनी जड़ों की ओर लौटने की सलाह दी। उन्होंने युवाओं को जंक फूड से दूर रहने और स्वस्थ आहार लेने का सुझाव देते हुए कहा कि स्वस्थ जीवन शैली को बनाए रखने के लिए योग जैसी नियमित शारीरिक गतिविधि करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। इस अवसर पर स्वर्ण भारत ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ. कामिनेनी श्रीनिवास और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे।

स्वास्थ्य विभाग में रिक्त संविदा भर्ती के लिए वॉक इन इंटरव्यू 10 से 12 तक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। रायगढ़ जिले में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अंतर्गत स्वीकृत नवीन एवं रिक्त पदों के विरूद्ध संविदा नियुक्ति हेतु वॉक-इन-इंटरव्यू के माध्यम से आवेदन पत्र आमंत्रित कर कौशल परीक्षा, लिखित परीक्षा एवं साक्षात्कार का आयोजन मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय, रायगढ़ में 10 से 12 मार्च 2022 तक किया जाएगा।

जिन पदों पर संविदा भर्ती की जानी है इनमें ब्लॉक मैनेजर डाटा (एनएचएम)में 1 पद, ब्लॉक मैनेजर एकाउंट (एनएचएम) में 1 पद, जनरल सेकरेट्रियल अस्सिटेन्ट (यूएचडब्ल्यूसी)में 6 पद, स्टाफ नर्स (यूएचडब्ल्यूसी)में 6 पद, एमपीडब्लयू(एम)(यूएचडब्ल्यूसी)में 6 पद तथा चतुर्थ श्रेणी (यूएचडब्ल्यूसी)में 6 पद रिक्त है। आवेदक निर्धारित प्रारूप में आवेदन वॉक इन इंटरव्यू तिथि को ही उपस्थित होकर जमा कर सकते है। सुबह 9 से 11 बजे तक पंजीयन किया जाएगा। पात्र एवं अपात्र सूची का प्रकाशन दोपहर 1 बजे तक, दावा-आपत्ति दोपहर 2 से 3 बजे तक, दावा-आपत्ति का निराकरण शाम 4 बजे से एवं दावा-आपत्ति के निराकरण पश्चात शाम 4.30 बजे से वॉक इन इंटरव्यू/कौशल परीक्षा होगी। आवेदन संख्या अधिक होने पर आगामी तिथि को प्रात:10 से दोपहर 12 बजे तक कौशल परीक्षा ली जाएगी।

इस संबंध में अन्य विस्तृत जानकारी रायगढ़ जिले की वेबसाईट www. raigarh. gov.in में उपलब्ध है।

26.41 लाख बच्चों को विटामिन ए और 28.34 लाख को आयरन व फोलिक एसिड की खुराक दी जाएगी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश में आगामी 4 मार्च से 8 अप्रैल तक शिशु संरक्षण माह का आयोजन किया जा रहा है। इस दौरान 9 माह से 5 वर्ष तक के 26 लाख 41 हजार बच्चों को विटामिन 'ए' की खुराक दी जाएगी। साथ ही प्रदेश भर के 6 माह से 5 वर्ष तक के 28 लाख 34 हजार बच्चों को आयरन एवं फॉलिक एसिड सिरप भी वितरित की जाएगी।

निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप सभी बच्चों तक पहुंचने में मैदानी स्तर पर स्वास्थ्य कार्यकर्ता, मितानिन, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और आंगनबाड़ी सहायिका महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। स्वास्थ्य विभाग ने सभी माता-पिता से अपील की है कि वे अपने 6 माह से 5 वर्ष तक के बच्चों को सप्ताह में दो बार आयरन सिरप तथा 9 माह से 5 वर्ष तक के बच्चों को हर छह माह के अंतराल में विटामिन 'ए' की खुराक अवश्य दिलाएं।

शिशु संरक्षण माह के दौरान बालोद जिले में 80 हजार 193, बलौदाबाजार-भाटापारा में एक लाख 65 हजार 326, बलरामपुर-रामानुजगंज में 87 हजार 320, बस्तर में 91 हजार 570, बेमेतरा में 96 हजार 456, बीजापुर में 28 हजार 630, बिलासपुर में दो लाख 21 हजार 727, दंतेवाड़ा में 28 हजार 890, धमतरी में 79 हजार 420, दुर्ग में एक लाख 72 हजार 791, गरियाबंद में 88 हजार 175, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही में 55 हजार, जांजगीर-चांपा में एक लाख 72 हजार 550 और जशपुर में 85 हजार 462 बच्चों को आयरन एवं फोलिक एसिड के सिरप वितरित किए जाएंगे।

कांकेर में 75 हजार 432, कबीरधाम में 98 हजार 536, कोंडागांव में 59 हजार 463, कोरबा में एक लाख 25 हजार 308, कोरिया में 65 हजार 039, महासमुंद में एक लाख सात हजार 866, मुंगेली में 82 हजार 807, नारायणपुर में 14 हजार 312, रायगढ़ में एक लाख 53 हजार 812, रायपुर में दो लाख 45 हजार 017, राजनांदगांव में एक लाख 60 हजार 202, सुकमा में 23 हजार 909, सूरजपुर में 82 हजार 059 और सरगुजा जिले में 86 हजार 393 बच्चों को आयरन और फोलिक एसिड की खुराक दी जाएगी।

आगामी 4 मार्च से शुरू हो रहे शिशु संरक्षण माह में बालोद जिले में 77 हजार 176, बलौदाबाजार-भाटापारा में एक लाख 61 हजार 559, बलरामपुर-रामानुजगंज में 74 हजार 470, बस्तर में 82 हजार 660, बेमेतरा में 92 हजार 827, बीजापुर में 23 हजार 370, बिलासपुर में एक लाख 81 हजार 530, दंतेवाड़ा में 27 हजार 548, धमतरी में 75 हजार 998, दुर्ग में एक लाख 66 हजार 289, गरियाबंद में 59 हजार 781, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही में 34 हजार 527, जांजगीर-चांपा में एक लाख 66 हजार 702 और जशपुर में 81 हजार 800 बच्चों को विटामिन 'ए' की खुराक दी जाएगी।

कांकेर में 72 हजार 315, कबीरधाम में 96 हजार 850, कोंडागांव में 57 हजार 218, कोरबा में एक लाख 20 हजार 625, कोरिया में 62 हजार 187, महासमुंद में एक लाख तीन हजार 916, मुंगेली में 80 हजार 810, नारायणपुर में 13 हजार 771, रायगढ़ में एक लाख 47 हजार 889, रायपुर में दो लाख 39 हजार 435, राजनांदगांव में एक लाख 54 हजार 296, सुकमा में 22 हजार 799, सूरजपुर में 79 हजार 032 तथा सरगुजा जिले में 83 हजार 197 बच्चों को इस दौरान विटामिन 'ए' की खुराक पिलाई जाएगी।

बदलता दन्तेवाड़ा : सड़कों के निर्माण से विकास का पहिया चल पड़ा

श्रीकंचनपथ न्यूज

दंतेवाड़ा। शासन द्वारा जनजाति और सुदूर अंचल क्षेत्रों में आवागमन सुविधा को बढ़ाने के लिए विशेष प्रयास कर रही है। जिले के अतिसंवेदनशील एवं नक्सल प्रभावित तथा दुरस्थ अचंल के ग्रामों में आवागमन की असुविधा को ध्यान में रखते हुये, जिला प्रशासन तथा लोक निर्माण विभाग द्वारा विभिन्न मार्गो का निर्माण किया गया।

जिसके लिए विभाग को वहां तक पहुंचने मे कई दिक्कतों का सामना भी करना पड़ा कभी नक्सलियों का भय था तो कभी जंगली जानवर नदी-पहाड़ का खतरा लेकिन अपने इरादों को मजबूत करते हुए सड़क का निर्माण में लगे रहे जिसके फ्लस्वरूप अंदरूनी क्षेत्र के गांव भी जिला मुख्यालय से जुड़ गये है। लोक निर्माण विभाग द्वारा आर. आर. पी-2 योजनान्तर्गत जिला दंतेवाड़ा के कारली से अलीयन्चा मार्ग लंबाई 5.60 कि.मी. पुल-पुलिया सहित निर्माण कार्य की लागत राशि 461.17 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। वर्तमान में सड़क निर्माण कार्य लंबाई 5.60 कि.मी. पूर्ण कर लिया गया है।

कमेली- दुगेली मार्ग लम्बाई 7.00 कि.मी. पुल-पुलिया सहित चौड़ीकरण कार्य दन्तेवाड़ा अन्तर्गत सड़क निर्माण कार्य की लागत राशि 300.33 की स्वीकृति प्रदान की गई है। वर्तमान में 7.00 किमी डामरीकरण कार्य पूर्ण कर लिया गया।

नाम परिवर्तन

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं पुराना नाम NAMRATA CHOURSE पति SHREEKANT RAJAK अपना पुराना नाम को बदल कर नया नाम NAMRATA SHREEKANT RAJAK पति SHREEKANT RAJAK निवासी/पता PLOT No. 111 PHASE No 6, MAITRY NAGAR RISALI रख लिया हूँ अत: अब मुझे भविष्य में समस्त शासकीय, अर्द्शासकीय व अन्य दस्तावेजों में नया नाम NAMRATA SHREEKANT RAJAK पति SHREEKANT RAJAK से जाना एवं पहचाना जाये।

शपथ कर्ता
NAMRATA SHREE-KANT RAJAK

जिला अस्पताल में हुआ विशेष श्रवण जांच शिविर का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जिला अस्पताल पंडरी में विश्व श्रवण दिवस के तहत कर्ण रोग जांच और जागरूकता जांच शिविर का आयोजन किया गया । इस दौरान 115 लोगों की जांच की गई।

आयोजन की जानकारी देते हुए पोस्ट ग्रेजुएट मेडिकल ऑफिसर डॉ.नीति वर्मा ने बताया, राष्ट्रीय बधिरता रोकथाम एवं नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत विश्व श्रवण दिवस का आयोजन किया गया था जिसमें कान की सामान्य और जटिल समस्याओं की स्क्रीनिंग के लियें नि:शुल्क जांच शिविर का आयोजन किया गया था । जिसमें 115 लोगों के कानों की जांच की गई। श्रीमती खुशबू भूआर्य तथा श्रीमती मंजू लता बघेल ऑडियोलॉजिस्ट द्वारा 71 लोगों को पीटीए (प्योरटोन ऑडियोमेट्री) जांच किया गया । वहीं 02 लोगों को श्रवण सहयोगी यंत्र समाज कल्याण विभाग के सहयोग से दिया गया । जांच में आये 02 लोगों की दूरबीन से कान की जाँच हुई। उन्होंने कहा कर्ण जांच की बेहतर सेवाएं मुहैया कराने के लिए राज्य स्तर से स्किल बेस्ड हैंड्स ऑन ट्रेनिंग/आधुनिक कर्ण जांच के लिए मशीन (बीईआरए मशीन इंडिपेंडेंस ऑडियोमीटर, प्योरटोन ऑडियोमीटर, ओएई मशीन) और दवाईयों की व्यवस्था भी की गई । कान रोगियों को निशुल्क चिकित्सीय सलाह एवं दवाइयों के साथ-साथ आवश्यकता अनुरूप श्रवण यंत्र भी उपलब्ध कराया जाता है । जिले में बेहतर इलाज मुहैया कराने के उद्देश्य से राज्य स्तर से ईएनटी (कान नाक गला) पीजीएमओ चिकित्सक तथा ऑडियोलॉजिस्ट यूनिट को कार्यक्रमों की मार्गदर्शिका अनुरूप प्रशिक्षित किया गया है । विशेष शिविर में डॉ.नसरीन बेगम डॉ.एस के भंडारी के साथ ही अस्पताल कंसलटेंट डॉ.नीरज ओझा का विशेष सहयोग रहा।

खास-खबर

चाचा ने की भतीजे को जिंदा जलाने की कोशिश

भिलाई। मारपीट की रिपोर्ट लिखाए जाने से नाराज एक व्यक्ति ने अपने भतीजे को जिंदा जलाने की कोशिश की। आरोपित ने अपने भतीजे के ऊपर पेट्रोल छिड़क दिया था। लेकिन, वो उसे जला पाता। इसके पहले ही वो वहां से भाग गया। पेट्रोल डालने से उसके दाहिने कान, दाहिने आंख और चेहरे में जलन होने लगी। पीड़ित युवक ने दोबारा अपने चाचा के खिलाफ नंदिनी थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुलिस ने बताया कि भाठापारा गोढ़ी निवासी शिकायतकर्ता डोमेंद्र साहू पर बुधवार की सुबह नौ बजे उसके चाचा अमर सिंह साहू ने पेट्रोल डालकर उसे जिंदा जलाने की कोशिश की। घटना के एक दिन पहले आरोपित चाचा ने शिकायतकर्ता से मारपीट की थी। जिसकी उनसे नंदिनी थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। प्राथमिकी दर्ज कराए जाने से नाराज आरोपित ने अपने भतीजे पर पेट्रोल डालकर उसे जलाने की कोशिश की।

बुटिक गई महिला के पर्स से मंगलसूत्र व चेन पार

दुर्ग। गांधी चौक स्थित एक बुटिक में कपड़ा लेने के लिए गई महिला चोरी का शिकार हो गई। वो कपड़ा पसंद करने के बाद ट्रायल रूम में गई थी। इसी दौरान किसी अज्ञात आरोपित ने जेवर चोरी कर लिए। घटना की शिकायत पर दुर्ग कोतवाली पुलिस ने अज्ञात आरोपित के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू की है। पुलिस ने बताया कि खंडेलवाल कालोनी दुर्ग निवासी शिकायतकर्ता मनीषा जैन बीते 28 फरवरी की रात साढ़े सात बजे कपड़ा खरीदने के लिए गांधी चौक दुर्ग स्थित जैन बुटिक गई हुई थी। वो अपना पर्स भी लेकर गई थी।

नशे का कारोबार: कुरियर से फैला नशीली दवा का बाजार, रायपुर से ओडिशा फिर बंगाल

रायपुर (ए)। राजधानी में फैले नशीली दवा के बाजार को इंटर स्टेट संगठित रैकेट ऑपरेट कर रहा है। कुरियर के सुरक्षित रास्ते से नशीली दवाएं तस्कर गिरोह की सबसे अंतिम कड़ी तक पहुंचायी जा रही है। तस्करों के रैकेट को भेदने में जुटी नारकोटिक सेल को पहले ओडिशा के गैंग का पता चला। वहां से प. बंगाल और अब बिहार का कनेक्शन मिला है। सेल की टीम ने बिहार के तस्कर को पकड़ने दो-तीन शहरों में छापेमारी की। तस्कर वहां से फरार हो गया। सेल की टीम ने वहीं कैंप किया है।

पुलिस अफसरों के अनुसार प. बंगाल से जिस रिटायर्ड एमआर को पकड़ा गया उसी से बिहार के तस्कर का क्लू मिला। उसके बाद आनन-फानन में नारकोटिक सेल की टीम ने वहां छापेमारी की। इसके बावजूद पुलिस के पहुंचने के पहले ही तस्कर वहां से फरार हो गया। नारकोटिक सेल की टीम वांटेड तस्कर का प्रोफाइल चेक किया जा रहा है।

उसके करीबियों और दोस्तों की लिस्ट तैयार कर उनका रिकार्ड भी खंगाला जा रहा है। प्रारंभिक जांच के मुताबिक वांटेड तस्कर भी मेडिकल फील्ड से जुड़ा है। कुछ समय दवाओं से संबंधित कारोबार करने के बाद उसने नशीली दवाओं की तस्करी शुरू कर दी है। पुलिस को उसके नाम पते के अलावा मोबाइल नंबर भी मिल गया है। अफसरों को उम्मीद है एक-दो दिन में वह पकड़ा जाएगा। उसके छिपने के संभावित ठिकानों में लगातार तलाश की जा रही है।

न पकड़े जाने का भय, न परिवहन का झंझट

तस्कर गैंग कुरियर के माध्यम से नशीली दवाओं के परिवहन को सबसे सुरक्षित माध्यम मान रहा है। इसमें रास्ते में न तो कहीं चेकिंग का झंझट और न ही पकड़े जाने का भय है। कुरियर के माध्यम से आने जाने वाले सामानों की कहीं जांच भी नहीं होती। सामान आसानी से वहां पहुंच जाता है जहां भिजवाना है। पुलिस को प. बंगाल से पकड़े गए रिटायर्ड एमआर से ही पता चला कि पूरा रैकेट कुरियर के माध्यम दवाओं की खेप एक राज्य से दूसरे राज्य भिजवा रहा है। पिछले चार-पांच साल से इसका ट्रेंड काफी बढ़ गया है।

होलसेल कारोबारी भी संदेह के घेरे में

पहली बार पुलिस ने उस कड़ी को टारगेट बनाया है तस्करों को नशीली दवाओं की बड़ी बड़ी खेप उपलब्ध करवा रहा है। नारकोटिक सेल के प्रभारी और एएसपी अभिषेक महेश्वरी का कहना है कि अभी तक जो इनपुट मिल रहे हैं उसके अनुसार रैकेट में दवा निर्माता कंपनी का कोई न कोई बड़ा अफसर या बड़ा होलसेल कारोबारी शामिल हो सकता है। तस्करों को जितनी बड़ी मात्रा में नशीली दवाएं मिल रही हैं, इतना स्टॉक किसी एक या दो दवा दुकान से नहीं मिल सकता। कोई भी दवा दुकान वाला इतनी बड़ी मात्रा में स्टॉक नहीं मंगवा सकता। बड़ा थोक कारोबारी या दवा जिन फैक्ट्रियों में बन रही है वहीं से सीधे नंबर-2 में तस्करों को मिल रही है।

रिटायर्ड एमआर से मिला क्लू

रिटायर्ड एमआर ने बताया कि उसे ओडिशा से समीर तापस नशीली दवा का आर्डर मिलता है। वह बिहार के तस्कर को आर्डर दिया करता है। पप्पू ही नशीली दवाओं की खेप कुरियर से ओडिशा भेजता है। ओडिशा के तस्कर से दवाएं आर्डर के अनुसार रायपुर भेजी जाती हैं। पुलिस अफसरों का का मानना है कि अब बिहार के वांटेड तस्कर की गिरफ्तारी के बाद ही पता चलेगा कि उसे कौन और कहां से नशीली दवाएं उपलब्ध करवा रहा था।

गिरोह बनाकर गुंडागर्दी करने वाले अपराधियों की बनेगी सूची

कोरबा (ए)। बिलासपुर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक रतनलाल डांगी ने कहा कि गिरोह बना कर गुंडागर्दी का दहशत फैलाने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। ऐसे अपराधियों की लिस्ट बना कर जिला बदर की कार्रवाई के लिए डायरी अग्रेषित की जाएगी। कई बार छोटी मोटी घटनाओं को नजरअंदाज करने से वह बड़ा रूप ले लेता है, इसलिए समय रहते इस पर रोकथाम की आवश्यकता है। कोरबा पहुंचे आईजी डांगी ने कहा कि शराब की लत के अलावा गांजा व नशीली दवाओं की गिरफ्त में लोग अक्सर अपराध कर बैठते हैं। इस पर अंकुश लगाने इस तरह की नशीली सामाग्री बेचने वालों की निगरानी करते हुए धरपकड़ करनी होगी। यदि बिक्री पर काबू पा लेंगे तो काफी हद तक नशे की अवस्था में होने वाले अपराध में भी कमी आएगी। नशे की वजह से न केवल अपराधिक घटनाएं होती हैं, बल्कि सामाजिक वातावरण भी दूषित होता है। मैने पुलिस के जवानों से कहा है कि इस अभियान में प्रोफेशनल नहीं बल्कि दिल से जुड़े। पुलिस व उनके बच्चे भी सामाज के ही एक हिस्सा हैं। यदि बच्चों पर इसका बुरा असर पड़ेगा, तो पुलिस कर्मियों के बच्चे भी इससे अछूते नहीं रहेंगे। जल्द ही नशे के दवाओं के कारोबारियों पर और अधिक अभियान तेज किया जाएगा। सड़क दुर्घटनाओं को रोकना भी हमारी पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। रफ्तार पर लगाम लगाना होगा, साथ ही हाइवे या मुख्य सड़क मार्ग के इर्द- गिर्द संचालित, होटल, ढाबों के पास बेतरतीब ढंग से वाहनों पर नियमित चालानी कार्रवाई करनी होगी। खास तौर पर रात को पुलिस पेट्रोलिंग करने थाना प्रभारियों को कहा गया है।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय खण्ड बेमेतरा (छ.ग.)

:: ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना ::

ऑनलाईन निविदाएं प्रपत्र-ए में प्रतिशत दर पर अनुबंध हेतु नीचे उल्लेखित कार्य के लिए छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में एकीकृत पंजीयन व्यवस्था में **श्रेणी-डी** एवं उच्च श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से आमंत्रित की जाती है।

कार्य का विवरण :- बेमेतरा जिले के विकासखंड नवागढ़ के विभिन्न ग्रामों में जल जीवन मिशन अंतर्गत एकल ग्राम समूह नलजल योजनाओं के अंतर्गत UPVC pipe 6kg पाईप लाईन जोड़ने, उच्चस्तरीय जलागार निर्माण, बाउण्ड्रीवॉल, क्लोरीनेटर सिस्टम, क्लोरीनटर रूम, इलेक्ट्रीसिटी कनेक्शन, घरेलू नल कनेक्शन इत्यादि दिये गये शेड्यूल के अनुसार।

स.क्र.	सिस्टम नंबर	निविदा सू.क्र.	ग्राम का नाम	अनुमानित लागत (रू. लाख में)
1	94101	327	पटनाकांपा एकल ग्राम समूह नलजल योजना	50.10
2	94108	328	बोटेबोड़ एकल ग्राम समूह नलजल योजना	50.85
3	94110	329	नवागांव एकल ग्राम समूह नलजल योजना	54.28
4	94112	330	गोढ़ीखुर्द एकल ग्राम समूह नलजल योजना	54.63
5	94114	331	जुनवानीकला एकल ग्राम समूह नलजल योजना	55.79
6	94115	332	मनोधरपुर एकल ग्राम समूह नलजल योजना	56.57
7	94116	333	ढनढनी एकल ग्राम समूह नलजल योजना	68.87
8	94118	334	धनोरा एकल ग्राम समूह नलजल योजना	69.84
9	94119	335	कवराकांपा एकल ग्राम समूह नलजल योजना	69.95
10	94120	336	जेवरा एकल ग्राम समूह नलजल योजना	71.05
11	94121	337	जैतपुरी एकल ग्राम समूह नलजल योजना	77.00
12	94122	338	मुड़पार एकल ग्राम समूह नलजल योजना	81.29
13	94124	339	अतरगवां एकल ग्राम समूह नलजल योजना	81,59
14	94125	340	खटई एकल ग्राम समूह नलजल योजना	84.47
15	94127	341	दर्री एकल ग्राम समूह नलजल योजना	87.44
16	94128	342	मानिकपुर एकल ग्राम समूह नलजल योजना	88.45
17	94129	343	अंधियारखोर एकल ग्राम समूह नलजल योजना	93.02
18	94130	344	गोढ़ीकला एकल समूह ग्राम नलजल योजना	93.68
19	94132	345	तेन्दुआ एकल ग्राम समूह नलजल योजना	118.03
20	94133	346	गुंजेरा एकल ग्राम समूह नलजल योजना	119.36
21	94134	347	नगधा एकल ग्राम समूह नलजल योजना	119.60
22	94135	348	मोहतरा एकल ग्राम समूह नलजल योजना	121.42
23	94136	349	घोघरा एकल ग्राम समूह नलजल योजना	123.42
24	94137	350	अमलडीहा एकल ग्राम समूह नलजल योजना	125.12

1. बिड प्रारंभ की तिथि - 08.03.2022
2. बिड सबमिशन की अंतिम तिथि - 22.03.2022

उपरोक्त कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in में दिनांक 08.03.2022 से देखे जा सकते हैं।

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड
बेमेतरा (छ.ग.)

जी-68348/5

अंतरराज्यीय चोर गिरोह के छह सदस्य पकड़े गये

बिलासपुर (ए)। मरवाही पुलिस ने छह अंतरराज्यीय चोर गिरोह के छह सदस्य पकड़ा। वे मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़ में चोरी की घटना को अंजाम रहे थे। उनके पास से चोरी की गई सामान के साथ दो बाइक बरामद कर लिया गया है।

पुलिस सूत्र से प्राप्त जानकारी के अनुसार पदुम कुमार चौबे पिता स्व. बुन्नी लाल उग्र (51) निवासी गुल्लीडांड़ थाना मरवाही ने रिपोर्ट दर्ज कराया था कि उसके घर से नकद 40 हजार , एक सोने की अंगूठी, एक सोने का लाकेट, घर के कंबल व कपड़े कुल जिसकी कीमत 85 हजार रुपये है चोरी चली गई है। मामले में पुलिस ने आरोपित नीरज सिंह धुर्वे पिता जोहन सिल धुर्वे (21) निवासी मटियाडांड़ थाना पेंड्रा, विजय सिंह मरावी पिता रमेश सिंह मरावी (32) निवासी गोरखपुर थाना गौरेला, ईश्वर प्रसाद मरावी पिता गोरेलाल मरावी (30) निवासी गोरखपुर ,थाना गौरेला, शनि सिंह ध्रुर्व पिता भगत सिंह ध्रुर्व (32) निवासी पकरिया थाना गौरेला, कमलेश सिंह गोंड पिता रमेश सिंह (38) निवासी अमलाई थाना चबई जिला अनूपपुर , राजा सिंह ध्रुर्व पिता राजामन सिंह धुर्वे (23) निवासी अमलाई जिला अनूपपुर मध्यप्रदेश को गिरफ्तार कर लिया। पलिस ने उनके पास से एक सोने की अंगूठी,एक नग सोने की लाकेट, कंबल व कपड़े तथा तीन नग मोबाइल और घटना में प्रयुक्त लोहे की सब्बल, तीन आरी ब्लेड, लोहे का सुम्मा एवं दो मोटरसाइकिल जब्त किया गया।

शादी में जाने पर चोरों ने सूने घर में की चोरी

प्रार्थी पदुम कुमार चौबे ने बताया कि गुल्लीडांड मेनरोड में कपड़ा दुकान व घर है। 13 फरवरी को मलगा अनूपपुर सपरिवार शादि में गया था। 19 फरवरी को घर वापस आया तो देखा की घर के पीछे रोशनदान में लगी जाली को काटकर घर के अंदर अज्ञात चोर घुसकर अलमारी की लाकर को तोड कर लाकर के अंदर रखे नकद, सोने की अंगुठी, सोने की लाकेट, घर के कंबल व कपड़े चुराकर ले गए थे। जिस पर थाना मरवाही में रिपोर्ट दर्ज कराया। मरवाही पुलिस ने भादवि की धारा 457,380 के तहत मामला दर्ज की जांच में जुट गई।

सीसी कैमरे से पकड़े गए आरोपित

घर व दुकान के सीसी कैमरे की फूटेज एवं तकनीकी साक्ष्य के आधार पर उपरोक्त आरोपितों को पकड़ कर से चोरी का माल के संबंध में वैज्ञानिक तरीके से पूछताछ करने पर चोरी करना स्वीकार किए। नगद 40000 रुपये को आरोपितों ने खर्च कर देना बताया। शेष एक सोने की अंगुठी, एक नग सोने की लाकेट कंबल व कपड़े तथा मोबाइल जब्त किया गया। आरोपितों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

अवैध कोयला यार्ड के संचालक पलेरिया के खिलाफ मामला दर्ज

कोरबा (ए)। नकटीखार के पास चल रहे अवैध यार्ड के मामले में पुलिस ने अंशु पलेरिया के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला पंजीबद्ध किया है। बुधवार को पुलिस की टीम ने नकटीखार के पास संचालित अवैध कोयले के भंडारण को जब्त करने की कार्रवाई की थी। इस मामले को जांच के लिए खनिज विभाग के सुपूर्द किया गया था। खनिज विभाग के उपसंचालक के पद पर पदस्थ शिवशंकर ने जांच के बाद इसकी रिपोर्ट रामपुर पुलिस चौकी में दर्ज कराई है। उन्होने बताया है कि निरीक्षण के दौरान यह बात सामने आई है कि नवनीत उर्फ अंशु पलेरिया निवासी 15 ब्लाक ने अपराधिक षडयंत्र करते हुए छल पूर्वक लाभ अर्जित करने एसईसीएल के खदानों से कोयला चोरी कर भंडारण किया था।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खंड, राजेन्द्र पार्क चौक, दुर्ग (छ.ग.)
दूरभाष क्र. 0778-2323633, E-mail: eedurg-phe-cg@nic.in

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से लोक निर्माण विभाग छ.ग. शासन में एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत 'डी' एवं उच्च श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से प्रपत्र 'एफ' में एकमुश्त दर पर दुर्ग जिले के उतई नगर आवर्धन जल प्रदाय योजनांतर्गत कि.मी./टी.पी. 882/00 एवं 882-01 मरोदा से पाउवारा लाईन के मध्य रेल्वे क्रासिंग के नीचे पाईप पुशिंग कार्य हेतु 250 मि.मी. आंतरिक व्यास 10 मि.मी. मोटाई के कैरियर पाईप एवं 600 मि.मी. आंतरिक व्यास एवं 10 मि.मी. मोटाई के एम.एस. केसिंग पाईप के प्रदाय, पुशिंग बिछाने एवं जोड़ने का कार्य मय मटेरियल, लेबर, टूल्स एवं प्लांट्स तथा मशीनरी आदि सहित कार्य हेतु ऑनलाईन (online) निविदा आमंत्रित की जाती है. विवरण निम्नानुसार है:-

नि.सू.क्र./दिनांक	सिस्टम क्र.	नगर का नाम	अनुमानित लागत (रू. लाख में)	बिड सबमिशन की अंतिम तिथि
37/02.03.2022	94067	उतई नगर	75.29	दिनांक 15.03.2022 को 17.30 बजे तक

नोटः- उपरोक्त कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई- प्रोक्योरमेंट वेबपोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in दिनांक 10.03.2022 से देखे जा सकते हैं.

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड
दुर्ग (छ.ग.)

जी-68341/3

नये लुक एवं वैरायटी में सागौन लकड़ी द्वारा निर्मित
अरिहंत फर्नीचर शो रुम | नमन सेल्स फर्नीचर शो रुम
20% डिस्काउंट के साथ उपलब्ध
- सागौन निर्मित डूरियन मॉडल , वॉल मॉडल, डी मॉडल गुजराती सोफा
- लक्जरी सोफा 9500/- से शुरु (गारंटी के साथ)
- लक्जरी पलंग हाई क्वालिटी के साथ
- स्टील आलमारी आटोमेटिक प्लांट द्वारा निर्मित, भट्टी पेट वाली
- कम्प्यूटर टेबल, ऑफिस टेबल , ड्रेसिंग टेबल कमप्यूटर चेयर ऑफिस चेयर इत्यादि की वैरायटी

आजाद मार्केट, रिसाली
(भिलाई मसाला उद्योग के पीछे), भिलाई, मो. 9424151009, 9301188428

Authorised For : SOMANY
Wall & Floor Tiles
All Size of Tiles, Granite and Sanitaries
SHRI BALAJI TILES
Krishna Talkies Road, SBI Building, Opp. Church, Risali, Bhilai-490006
Distt.-Durg (C.G.), Mo.-9518326808
E-mail:- balajitilescg@gmail.com

आदित्य ड्राई क्लीनर्स
Pick & Drop Service Available (Terms & Condition Applied)
98271-90875
99938-08453
75877-57239
सोफा पर्दा कारपेट सीटकवर लेदर जैकेट टेड्डी वियर शू
सभी प्रकार के कपड़ों का आधुनिक तकनीकी से ड्राईक्लीन किया जाता है।
Shop NO.-105, "A" Market, Sector-6, Bhilai (C.G.)

दुल्हन बैंगल्स & फैंसी
RUPESH KUMAR
Mob.-9840760388
7987759030
Specialist : Wedding mix match bangles, Glass bangle, Plastic bangle. Saree pin, Bindi, Rubber Band. Bracelet, Butter Fly, Ear ring and many more
कृष्णा टाकिज रोड, विजय भवन के पास, रिसाली, भिलाई
जलाराम मिष्ठान के सामने, इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान
कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

MemSaheb Ladies wear
JOCKEY UNDERWEAR IS OUR PASSION
JULIET
Shop No. 57,
A Market, Sec-6 Bhilai
Om Prakash
9926004441,
0788-2284341

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई,
फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

मिस एंड मिसेस
लेडिस वेयर
- गाऊन
- ब्रा. पेन्टी
- नाईटी
- ब्लाउज
सभी प्रकार के अंडरगारमेंट्स की विशाल रेंज
शॉप नं-113, सेक्टर-6, ए मार्केट भिलाई

न्यू अप्सरा साड़ी सेन्टर
घाघरा, चुन्नी, कुर्ती, डिजाइनर साड़ियां सलवार सूट
सेल्स गर्ल की आवश्यकता है
शॉप 151, ए-मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन-2284063

माँ दुर्गा ज्वेलर्स
सोने एवं चांदी के आभूषणों विक्रेता
उचित ब्याज में गिरवी रखी जाती है
शॉप नं. 69, सी-मार्केट
सेक्टर-6, भिलाई
मो. 9424124911

भारतीय बैग हाउस
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

खास - खबर

शुद्ध पेयजल आपूर्ति में लापरवाही नहीं की जाएगी बर्दाश्त - वोरा

दुर्ग। शहर में पिछले दो दिनों से लगातार पेयजल के प्रदूषित होने एवं पानी मे बदबू की शिकायत प्राप्त होने पर वरिष्ठ कांग्रेस विधायक अरुण वोरा, महापौर धीरज बाकलीवाल एवं निगम के जल कर्म अधिकारीगणों के साथ इंटकवेल पहुंचे। जहां मौके पर पड़ताल करने के दौरान पता लगा कि इरिगेशन विभाग द्वारा इस बार खरखरा की जगह खपरी से पानी छोड़ा गया है जो कि नाले के माध्यम से नदी तक पहुंच रहा है जिसके बाद फिल्टर होने के बाद भी दुर्ग भिलाई एवं रिसाली तीनों निगमों में पेयजल शुद्धता किए जाने के बाद भी पानी मे बदबू है। विधायक वोरा ने कड़ी नाराजगी जताते हुए मौके पर ही सिंचाई विभाग के अधिकारियों को तलब कर जवाब तलब किया। ईई सुरेश पांडेय ने बताया कि डिमांड के अनुसार पानी छोड़ा गया था किंतु खपरी का पानी नाले के माध्यम से पहुंचने की जानकारी नहीं थी। जल कर्म के नारायण ठाकुर ने बताया कि फ़िल्टर प्लांट में एलम एवं ब्लीचिंग की मात्रा संतुलित रखना आवश्यक है अधिक प्रदूषित पानी से अन्य बीमारियों की आशंका बनी रहती है। विधायक वोरा के निर्देश पर कार्यपालन अभियंता सुरेश पांडेय ने तत्काल कार्यवाही करते हुए खपरी से पानी सप्लाई बंद कर खरखरा से पानी सप्लाई के आदेश जारी किया जिसके बाद अब शहर को शुद्ध पेयजल प्राप्त हो सकेगा। वोरा ने कहा कि शहर की जनता को ग्रीष्म ऋतु में पेयजल की कोई समस्या नहीं होनी चाहिए इरिगेशन विभाग एवं निगम अधिकारियों में तालमेल आवश्यक है जल आपूर्ति के संबंध में कोई भी शिकायत प्राप्त होने पर जिम्मेदारों पर कड़ी कार्यवाही की अनुसंशा की जाएगी। आने वाले समय में निगम द्वारा भी अतिरिक्त टैंकरों एवं पम्पों की व्यवस्था कर ली जाए साथ ही शट डाउन जैसी परिस्थिति ग्रीष्म ऋतु में ना उत्पन्न हो इस बात का ध्यान रखा जाए। महापौर धीरज बाकलीवाल ने नाला डायवर्सन के कार्य को तेजी से पूरा करने का निर्देश देते हुए कहा कि इंटकवेल में शुद्ध पानी के लिए डायवर्सन का कार्य जल्द पूर्ण करना आवश्यक है। इस दौरान जल प्रभारी संजय कोहले, कार्यपालन अभियंता राजेश पांडेय, उप अभियंता आर के जैन, भीम राव, अंशुल पांडेय, नारायण ठाकुर मौजूद थे।

नेशनल वोटर अवरनेस कांटेस्ट का आयोजन के संबंध में बैठक 15 को

दुर्ग। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मतदान के महत्व को रचनात्मकता के माध्यम से प्रदर्शित करने के लिए समस्त नागरिकों हेतु माइ वोट इज माइ फ्यूचर, पावर ऑफ वन वोट शीर्षक पर नेशनल वोटर अवरनेस कांटेस्ट का आयोजन किया जा रहा है। आज श्रीमती पद्मिनी भोई अपर कलेक्टर की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया। 15 मार्च 2022 को यह आयोजन 5 श्रेणियों में क्विज कांटेस्ट विडियो मेकिंग कांटेस्ट, पोस्टर डिजाईन कांटेस्ट, सांग कांटेस्ट एवं स्लोगन कांटेस्ट में किया जाएगा। प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु इच्छुक प्रतिभागी अपनी रचनात्मकता को voter-contest@eci.gov.in ई-मेल आई.डी. पर भारत निर्वाचन आयोग को सीधे प्रेषित कर सकते हैं।

अचल संपत्ति के बाजार मूल्य निर्धारण के संबंध में जिला मूल्यांकन समिति की बैठक

दुर्ग। कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेन्द्र भुरे की अध्यक्षता में जिला मूल्यांकन समिति कि बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के अंतर्गत उपजिला मूल्यांकन समिति पाटन, दुर्ग एवं धमधा क्षेत्र में प्रस्तावित दरों का परीक्षण किया गया। उपजिला मूल्यांकन समिति दुर्ग, पाटन, धमधा के लिए प्रस्तावित दर को यथावत प्रस्तावित किया गया है। वर्ष 2022-23 हेतु दरों में कोई भी वृद्धि नहीं किया गया है। नगरीय क्षेत्र के अंतर्गत मुख्य सड़क मार्ग से 20 मीटर की दूरी व उसके पश्चात की दूरी, ग्रामीण क्षेत्र के अंतर्गत मुख्यमार्ग पर स्थित भूमि, संचित/असंचित क्षेत्र के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्र में स्थित 500 वर्गमीटर तक के प्लाट की दरों में कोई भी वृद्धि नहीं की गई है।

गर्मी को देखते हुए पेयजल की व्यवस्था सुनिशिचत रखें - प्रभारी सचिव

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। गर्मियों को देखते हुए पेयजल संकट वाले गांव का चिन्हांकन कर यहां जलापूर्ति के लिए प्लान बनाने तथा इसके लिए मोबाइल टीम को भी सक्रिय करने के निर्देश प्रभारी सचिव सिद्धार्थ कोमल परदेशी ने दिए हैं, इसके साथ ही पाटन में इंफ्रास्ट्रक्चर को और मजबूत करने की दिशा में ही निर्देश उन्होंने दिए। आज प्रभारी सचिव ने अनुविभागीय कार्यालय पाटन में विशेष समीक्षा बैठक ली। बैठक में उन्होंने सभी विभागों के अधिकारियों से शासकीय योजनाओं के कार्यान्वयन से संबंधित स्थिति के बारे में पूछा तथा उन्हें इसके लिए मार्गदर्शन दिया।

कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे ने उन्हें विस्तार से विभागीय गतिविधियों की जानकारी दी। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ अश्विनी देवांगन तथा एसडीएम विपुल गुप्ता भी मौजूद थे।

जल जीवन मिशन तथा पीडब्ल्यूडी के कार्यों में हो समन्वय- प्रभारी सचिव ने कहा कि कभी कभी जब पेयजल के लिए पाइप लाइन बिछाई जाती है तो सड़के उखाड़नी पड़ती है। ऐसी स्थिति अभी न बने, इसके लिए जल जीवन मिशन की एजेंसी और पीडब्ल्यूडी के बीच समन्वय बना रहे। उन्होंने मिशन के सभी कार्य गुणवत्तापूर्वक ढंग से और समय पर करने निर्देशित किया।

दक्षिण पाटन में बिजली खपत बढ़ने की आशंका के चलते 132 केवी सब स्टेशन का भेजा जाएगा प्रस्ताव - प्रभारी सचिव ने किसानों के पंप ऊर्जीकरण की भी समीक्षा की उन्होंने कहा कि लक्ष्य के मुताबिक किसानों को पंजीकरण कर लाभ प्रदान करें। विद्युत कंपनी के अधिकारियों ने बताया कि क्षेत्र में तेजी से पंप ऊर्जीकरण की मांग हो रही है इसके मुताबिक लोड भी बढ़ाया जाना उचित होगा। इस पर प्रभारी सचिव ने दक्षिण पाटन में 132 केवी सब स्टेशन का प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए।

सुगंधित धान की सुगंधित धान का रकबा बढ़ा, इस साल और बढ़ाएं- प्रभारी सचिव ने कहा कि राज्य शासन की मंशा है कि किसान सुगंधित धान का भी बड़े पैमाने पर उत्पादन करें क्योंकि सुगंधित धान में किसानों को अच्छा लाभ मिलने की उम्मीद है। एसडीओ कृषि ने बताया कि पिछले साल 1500 हेक्टेयर क्षेत्र में सुगंधित धान किसानों द्वारा लगाया गया था, इस सीजन बढ़ने की उम्मीद है।

पाटन के 28 गौठान स्वावलंबी- प्रभारी सचिव ने गोधन न्याय योजना के क्रियान्वयन की समीक्षा भी की। अधिकारियों ने बताया कि योजना के माध्यम से ब्लाक के 28 गौठान स्वावलंबी हो गये हैं। अधिकारियों ने बताया कि गोधन न्याय योजना के अंतर्गत गौठानों में गोबर क्रय किया जा रहा है वर्मी कंपोस्ट का अच्छा उत्पादन हुआ है और लगभग 95 प्रतिशत वर्मी कंपोस्ट किसानों में ही खरीदा है। कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे ने बताया कि गौठानों में आजीविका मूलक गतिविधियों को सुनिश्चित किया गया है। मछली पालन, बकरी पालन, कुकुट पालन आदि अतिरिक्त कार्य भी गौठानों में आरंभ किए गए हैं गौठान के कुशल संचालन के लिए किसानों से पैरा दान भी कराया गया है इस साल 16000 क्विंटल पैरादान पाटन क्षेत्र के किसानों ने किया है।

शिक्षा की गुणवत्ता पर रहे विशेष ध्यान- प्रभारी सचिव ने इंग्लिश मीडियम स्कूलों की बिल्डिंग का निर्माण कार्य सत्र आरंभ होने से पूर्व करा लिए जाने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने कहा कि सभी स्कूलों में जहां मरम्मत की जरूरत महसूस होती है । वहां मरम्मत कार्य कराएं।

पाटन महाविद्यालय में सेटअप बढ़ाए जाने के लिए प्रस्ताव के संबंध में भी उन्होंने चर्चा की। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि कौशल आधारित शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए स्टेनो और वेल्डिंग की पढ़ाई पाटन में कराई जा रही है इसके साथ ही अन्य ट्रेड भी जोड़े जाएं ताकि अधिक संभावना वाले क्षेत्रों में भी कौशल विकास का मौका युवाओं को मिल सके।

एस.आर. हॉस्पिटल में डायल 112 के कर्मियो व उनके परिवार के सदस्यों लिए निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। एस.आर.हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर धमधा रोड़ चिखली दुर्ग में डायल 112 के कर्मचारियों व उनके परिवार के सदस्यों लिए निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जा रहा है। 4 मार्च से 6 मार्च तक 3 दिनों के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया है। तीन दिवसीय शिविर में दोपहर 11:00 ८.रू से 3:00 क्करू के बीच विभिन्न बीमारियों से संबंधित विशेषज्ञ चिकित्सक अपनी सेवाएं प्रदान करेंगे। बता दें दुर्ग जिले में अपनी विशिष्ट स्वास्थ्य सेवाओं के लिए अलग पहचान बना चुके एस.आर. हॉस्पिटल एवं रिसर्च सेंटर द्वारा समय-समय पर निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविरों का आयोजन किया जाता है। अस्पताल द्वारा इससे पहले भी स्थापना दिवस के अवसर पर निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया था। अब जिले की सुरक्षा व्यवस्था में लगे डायल 112 के कर्मचारियों व उनके परिवार के सदस्यों के लिए 4 मार्च से 6 मार्च तक तीन दिवसीय निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया है। एस.आर. हॉस्पिटल के चेयरमैन संजय तिवारी ने स्वास्थ्य परीक्षण शिविर को लेकर जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में वैस्कुलर एवं कार्डियोथोरेसिक सर्जन डॉ.रंजन सेनगुप्ता, बर्न एवं प्लास्टिक सर्जन डॉ. विश्वमित्र बी दयाल, गैस्ट्रो सर्जन डॉ मनीष खरे, बाल एवं शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ.एस.पी. केशरवानी व डॉ. धनेश जैन, अस्थि एवं वात रोग विशेषज्ञ डॉ. अनुपम लाल व डॉ. दीपक सिन्हा, जनरल मेडिसिन विशेषज्ञ डॉ. सुशांत कांडे, स्त्री व प्रसूति रोग विभाग से डॉ. बलराम साहू व डॉ. संगीता पात्रे, नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. छाया भारती व डॉ जे.एस. भाटिया , डॉ. वनश्री सिन्हा, नाक कान गला रोग विशेषज्ञ डॉ. रतन तिवारी व डॉ. अंकिता जोशी तथा जनरल सर्जरी विभाग से डॉ. आशीष अपनी सेवाएं देंगे।

भिलाई सीए ब्रांच ने राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय स्तर पर फिर लहराया परचम

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई सीए ब्रांच ने छत्तीसगढ़ सहित शहर का मान देश में बढ़ाते हुए वर्ष 2021 के लिए राष्ट्रीय स्तर पर सर्वश्रेष्ठ ब्रांच में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। वहीं क्षेत्रीय स्तर पर ब्रांच को सीआईआरसी सर्वश्रेष्ठ ब्रांच एवं सिकासा का हाईली कॉमनडबल ब्रांच का खिताब मिला। पूरे वर्ष में ब्रांच द्वारा की गई विभिन्न गतिविधियों के आधार पर ब्रांच को राष्ट्रीय स्तर का यह सम्मान दिल्ली एवं क्षेत्रीय स्तर का यह सम्मान वाराणासी में आयोजित समारोह में दिया गया।

अवार्ड लेने के लिए भिलाई ब्रांच मैनेजिंग कमेटी 2021 के चेयरमैन सीए प्रफुल्ल कोठारी, सेक्रेटरी सीए अमित राय, सिकासा चेयरमैन सीए दीपक जैन एवं सीए राजेश बाफ्ना कार्यक्रम में शामिल हुए।

भिलाई ब्रांच चेयरमैन सीए प्रफुल्ल कोठारी ने इस सफ्लता के लिए भिलाई ब्रांच के प्रत्येक सदस्य का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सभी सदस्यों के सहयोग एवं समर्थन का यह नतीजा रहा कि भिलाई ब्रांच ने एक बार फ्रि से अपनी सफ्लता का परचम लहराया है। उन्होंने यह भी उम्मीद व्यक्त की कि आने वाले वर्षों में भी हमारा भिलाई ब्रांच यूं ही राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय स्तर पर परचम लहराता रहेगा।

आंगनबाड़ी में 10 वर्ष तक की बालिकाओं का सुकन्या समृद्धि योजना के तहत खोला जा रहा है खाता

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टर डॉ सर्वेश्वर नरेन्द्र भुरे के निर्देश पर दुर्ग जिले में सुकन्या समृद्धि के तहत पात्र बालिकाओं का खाता खोलने हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत 08 फरवरी से 08 मार्च 2022 तक विशेष अभियान चलाकर 10 वर्ष से कम उम्र की समस्त पात्र बालिकाओं का निकट के डाकघरों में खाता खोला जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि सुकन्या समृद्धि योजना के तहत 10 वर्ष से कम उम्र की बालिकाओं का खाता 250 रूपये से खोला जा सकता है। इस जमा खाते पर योजना के तहत एक निश्चित ब्याज दिया जाता है। इस खाते में 50 रूपये के गुणांक से प्रतिवर्ष न्यूनतम 250 रूपये से अधिकतम 1.50 लाख रूपये तक की राशि जमा कराई जा सकती है। यह खाता 21 वर्ष में परिपक्व होगा। इसके पूर्व यह खाता बालिका के विवाह के समय बंद भी किया जा सकता है तथा बालिका की उच्च शिक्षा हेतु जमा राशि में से आवश्यकतानुसार आधी राशि निकाली भी जा सकती है। इस खाते में जमा राशि तथा प्राप्त ब्याज आयकर से पूर्णतः मुक्त रहता है। इस योजना के तहत खाता खोलने हेतु बालिका एवं पालक का आधार नंबर तथा 02 फोटो की आवश्यकता है।

उपरोक्त अभिलेखों के साथ अभियान अवधि के दौरान निकट के आंगनबाड़ी केन्द्र में संपर्क करने पर संबंधित आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के द्वारा सुकन्या समृद्धि योजना के तहत पोस्ट ऑफिस से समन्वय कर खाता खुलवाया जा सकता है। इस कार्य में सहयोग करने हेतु कलेक्टर दुर्ग के द्वारा मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत दुर्ग, समस्त निगम आयुक्तों, जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को भी निर्देशित किया गया हैं। इस योजना के तहत खाता खोलने वाले समस्त हितग्राहियों को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 08 मार्च 2022 को पासबुक भी प्रदान किए जायेंगे। इस योजना के तहत श्रेष्ठ कार्य करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भी सम्मानित किया जावेगा। जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग के द्वारा अवगत कराया गया है कि उपरोक्त विशेष अभियान हेतु जिले के सभी परियोजना अधिकारियों, पर्यवेक्षकों तथा आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करते हुए उनके द्वारा किए जा रहे कार्य की नियमित समीक्षा भी जा रही है।

इस हेतु प्रत्येक परियोजना अधिकारी, पर्यवेक्षक तथा आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं हेतु लक्ष्य का निर्धारण करते हुए अधिक से अधिक पात्र बालिकाओं का खाता खोलने हेतु प्रोत्साहित किया जा रहा है।

इस कार्य में स्थानीय लोगों एवं जागरूक जनप्रतिनिधियों की मदद भी ली जा रही है।

छत्तीसगढ़ के समस्त निजी व शासकीय क्षेत्र के फिजियोथैरेपी पाठ्यक्रम में न्यूनतम अंक की बाध्यता खत्म

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। चिकित्सा शिक्षा पाठ्यक्रम में विभिन्न कोर्सो में नीट (NEET) के तहत प्रवेश लिया जाता है। इसी NEET के आधार पर बैचलर ऑफफिजियोथैरेपी पाठ्यक्रम में भी प्रवेश लिया जाता है, चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा फिजियोथैरेपी पाठ्यक्रम में ऑनलाईन प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है।

ऑनलाईन प्रवेश की अंतिम तिथि 10 मार्च

इस हेतु चिकित्सा शिक्षा विभाग के वेब पोर्टल में 22 फरवरी से छत्तीसगढ़ के समस्त निजी व शासकीय क्षेत्र के फिजियोथैरेपी पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु शासन द्वारा न्यूनतम अंक की बाध्यता समाप्त कर दी गई है, अर्थात् ऐसे सभी विद्यार्थी जिन्होंने NEET की परीक्षा दी है, तथा बारहवी बायोलाजी से सामान्य वर्ग के लिए 50 प्रतिशत प्राप्त किये है, वे फिजियोथैरेपी पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने के लिए पात्र है। ऐसे समस्त विद्यार्थी जिन्होंने एम.बी.बी.एस. व डेंटल के लिए काउंसिलिंग कर सकते है इस हेतु विद्यार्थी को पुनः शुल्क नही देना होगा। ऐसे विद्यार्थी को वेब पोर्टल में बी.पी.टी. लॉगिन के बटन दबाने पर ऑलरेडी पेड फीस के बटन को क्लिक करके बिना शुल्क जमा किये आवेदन जमा कर सकते है।

ज्ञातव्य है कि बैचलर ऑफ फिजियोथैरेपी साढ़े चार वर्षीय पाठ्यक्रम होता है जिसमें चार वर्ष अध्ययन तथा छः माह का ईन्टर्नशिप करना होता है। वर्तमान में छत्तीसगढ़ में इस पाठ्यक्रम को संचालित करने वाली दो संस्थाएं हैं, एक शासकीय व दूसरी निजी क्षेत्र की अपोलो कॉलेज ऑफ फिजियोथैरेपी, अंजोरा दुर्ग है जो कि विगत 20 वर्षो से संचालित है। फिजियोथैरेपी पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने के लिए ऑनलाईन आवेदन की अंतिम तिथि 10 मार्च तक है। ऐसे समस्त विद्यार्थियों जो इस पाठ्यक्रम में प्रवेश लेना चाहते है वे इन तिथियों के मध्य चिकित्सा शिक्षा विभाग के वेब पोर्टल में जाकर जानकारी ले सकते है।

निगम के अंतिम छोर गोकुल नगर पहुंचे निगम आयुक्त प्रकाश सर्वे

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई । निगम आयुक्त प्रकाश सर्वे देर शाम निगम के वैशाली नगर क्षेत्र के कुरूद इलाके में अंतिम छोर के बस्ती गोकुल नगर पहुंचे वहां उन्होंने पानी निकासी की व्यवस्था देखी और मोहल्ले वासियों से प्रमुख समस्याओं को लेकर चर्चा की।

आयुक्त के पहुंचने की सूचना पर आसपास के रहवासी एकत्र हो गए और लाइट तथा विद्युत की समस्याओं से आयुक्त को अवगत कराया।

निगमायुक्त ने वैशाली नगर के जोन आयुक्त पूजा पिल्ले को प्रकाश व्यवस्था के लिए लाइट संधारण कराकर दुरुस्त करने के निर्देश दिए वहीं आयुक्त ने सफाई व्यवस्था की जानकारी ली और सूखा कचरा, गीला कचरा अलग-अलग डस्टबिन के माध्यम से देने लोगों से कहा। कुछ जगहों पर आयुक्त ने पाया कि रोड को काटकर पाइप लाइन बिछाने के लिए छोड़ दिया गया है, उन्होंने इस कार्य को प्राथमिकता के आधार पर अति शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश उपस्थित अधिकारियों को दिए। आयुक्त ने मोहल्ले वासियों के साथ गलियों और बस्तियों का सघन निरीक्षण किया तथा अधिकारियों को अन्य व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य अधिकारी धर्मेंद्र मिश्रा एवं अंजनी सिंह सहित निगम के अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

निगम दुर्ग के विंडो को मिली राष्ट्रीय पहचान

नेशनल कॉन्क्लेव में भारत सरकार के सचिव और मुख्य सचिव छ.ग और कई राज्यों के प्रतिनिधि ने मॉडल की जमकर सराहना की

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। रायपुर में आयोजित नेशनल कॉन्क्लेव आज स्वच्छ भारत मिशन अर्बन 2.0 का नेशनल कांक्लेव गार्बेज फ्री सिटी एवं स्वच्छता समारोह रायपुर के होटल कोर्टयार्ड मैरियट में आयोजित किया गया।

जिसमें भारत सरकार द्वारा आए पूरे देश से 150 प्रतिनिधि ने हिस्सा लिया. उक्त कार्यक्रम में बेस्ट टू वेस्ट प्रदर्शनी भी लगाई गई थी जिसमें नगर निगम दुर्ग द्वारा निर्मित विंडो स्व सहायता समूह के द्वारा कचरा और वेस्ट सामग्री से निर्मित सामानों के लिए बनाए गए वाहन WINDOW (wasteproduct in durg on wheels) और उत्पादों का सेक्रेटरी स्वच्छ भारत मिशन भारत सरकार चीफ सेक्रेट्री छत्तीसगढ़ शासन तथा सेक्रेटरी नगरीय प्रशासन विभाग एवं सभी प्रतिनिधियों ने खूब सराहा !नगरीय प्रशासन मंत्री शिवकुमार डहरिया,सेक्रेटरी मिनिस्ट्री ऑफ हाउसिंग एंड अर्बन मनोज जोशी,चीफ़ सेक्रेटरी छग अमिताभ जैन,सेक्रेटरी छग अर्बन एडमिनिस्ट्रेशन एवं डेवलपमेंट श्रीमती अलरमेलमंगई डी.जॉइंट सेक्रेटरी स्वच्छ भारत मिशन अर्बन श्रीमती रूपा मिश्रा, छग मिशन डायरेक्टर एंड चीफ एग्जीक्यूटिव सौमिल राजन चौबे की मौजूदगी में दुर्ग नगर पालिक निगम के इस नवाचार की जमकर तारीफ की. प्रतिनिधियों ने महिला समूह से उनके द्वारा वेस्ट प्रोडक्ट बनाने के संबंध में जानकारी लिया,महिला समूह के अनुरोध पर अतिथियों ने उनके साथ फोटो भी खींचवाया एवं उनके इस कार्य के लिए उनको बधाई दिया है। कार्यक्रम में नगर निगम दुर्ग की स्वच्छ्ता दीदी श्रीमती किरण साहू, एवं लक्ष्मी जांगड़े का भी सम्मान किया गया। मौजूद आयुक्त हरेश मंडावी,स्वास्थ्य अधिकारी गिरीश दीवान ,सहायक स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली एनयूएलएम के मुकेश कान्हा,कर्म शाला प्रभारी शोएब अली पीआईयू शेखर वर्मा,राजू सिंह ,सुरेश भारती,एवं राहुल मोरान उपस्थित थे।

मिस्ड काल से भी कर सकेंगे कनेक्शन के लिये आवेदन, एक से सुविधा प्रारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी ने नए बिजली कनेक्शन लेने में सुविधा के लिये मिस्ड काल नंबर जारी कर दिया है। मोबाइल नंबर 74040-40625 पर मिस्ड काल सुविधा 1 मार्च 2022 से शुरू हो गई है। इस सुविधा के तहत दुर्ग रीजन के नेहरु नगर जोन में पहला कनेक्षन तामेष्वर साहू को प्रदान किया गया। मिस्ड काल सुविधा पर आसानी से कनेक्षन पाकर साहू बहुत हर्शित हैं उन्होंने छत्तसीगढ़ षासन एवं विद्युत विभाग को यह सुविधा प्रदान करने के लिए आभार जताया है। विद्युत विभाग द्वारा प्रदान किये जा रहे इस सुविधा के जरिये आनलाइन बिजली कनेक्शन लेने में परेशानी महसूस कर रहे उपभोक्ता मिस्ड काल करके नए कनेक्शन के लिये आवेदन कर सकेंगे। छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड, दुर्ग क्षेत्र के मुख्य अभियंता एम.जामुलकर ने बताया कि प्रबंधन ने आनलाइन नए बिजली कनेक्शन के लिए प्रावधान किये हैं, जिसमें उपभोक्ता को बिजली दफ्तर जाए बिना ही आवेदन की सुविधा मिलेगी। परंतु जिन उपभोक्ताओं को आनलाइन आवेदन करने में किसी तरह की समस्या होगी, वे 74040-40625 पर मिस्ड काल करके लाभ ले सकेंगे। मिस्ड काल करने पर विभाग के काल सेंटर के आपरेटर व्दारा फोन से संपर्क कर उपभोक्ता से जानकारी ली जाएगी और उनका आनलाइन फार्म आपरेटर व्दारा भरा जावेगा। ग्रामीण क्षेत्र के वे उपभोक्ता जो इंटरनेट नहीं चला पाते, अब वे भी मिस्डकाल के जरिए आनलाइन आवेदन की प्रक्रिया पूरी कर सकेंगे।

मिस्ड काल नंबर को उपभोक्ता आसानी से याद रख सकें इसके लिये विशेष नंबर लिया गया है। सप्ताह के सात दिन से पहला अंक 7 फिर 40-40-40 फिर 625 अंक डायल कर यह सुविधा प्राप्त कर सकते हैं। मिस्ड काल दर्ज होने के बाद तुरंत काल सेंटर के आपरेटर उपभोक्ता को फोन करके नए आवेदन की प्रक्रिया पूरी करेंगे। डिमांड राशि भुगतान के बाद नए कनेक्शन देने के लिए शहरी क्षेत्र में तीन दिन तथा ग्रामीण क्षेत्र में पांच दिन का समय तय किया गया है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950